संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
रविवार
2 नवम्बर 2025
वर्ष:-24, अंक:-=129
कुल पृष्ठ:08
मूल्य: एक रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

धीरेंद्र शास्त्री की सनातन यात्रा पर छाया संकट!

फलाहारी बाबा ने की मुस्लिमों की एंट्री पर रोक की मांग

मथुरा (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के प्रमुख पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन यात्रा को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर मामले के मुख्य याचिकाकर्ता दिनेश फलाहारी बाबा ने धीरेंद्र शास्त्री को पत्र लिखकर उनकी यात्राओं में मुसलमानों की एंट्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। धीरेंद्र शास्त्री 7 से 16 नवंबर तक दिल्ली से वृंदावन तक सनातन हिंदू एकता पदयात्रा आयोजित कर कर रहे हैं। दिनेश फलाहारी बाबा ने अपनी मांग के पीछे मुख्य कारण मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि पर मस्जिद के अवैध कब्जे को बताया। उन्होंने पत्र में कहा कि इन लोगों ने हमारे श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर पर अवैध कब्जा कर रखा है। जब तक अवैध कब्जा नहीं हटेगा, तब तक मुस्लिम किसी भी सनातनी यात्रा में शामिल नहीं होने चाहिए।

सीएम नीतिश कुमार ने बिहार के लोगों को भेजा मैसेज

एनडीए सरकार को फिर से वोट देने की लोगों से की अपील

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड के नेता नीतिश कुमार ने शनिवार को राज्य के लोगों से एक बार फिर एनडीए को वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि 'अब बिहारी होना गर्व की बात है और राज्य के समग्र विकास के लिए एनडीए सरकार का बने रहना जरूरी है।

अपने ऑफिशियल अकाउंट से भेजे गए वीडियो मैसेज में मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने कहा कि उनकी सरकार बनने के बाद से बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'लोग जानते हैं कि 2005 से पहले बिहार की स्थिति क्या थी। हमने सत्ता में आने के बाद सबसे पहले कानून-व्यवस्था की बहाली पर ध्यान दिया।

मोदी सरकार कर्नाटक में जबरन हिंदी थोप रही

सीएम सिद्धारमैया बोले-कन्नड़ की उपेक्षा हो रही

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने केंद्र की मोदी सरकार पर कन्नड़ की उपेक्षा करने और हिंदी थोपने का आरोप लगाया। उन्होंने राज्य के लोगों से कन्नड़ विरोधियों का विरोध करने भी कहा। सिद्धारमैया कर्नाटक के स्थापना दिवस पर हुए 70वें राज्योत्सव में कहा कि केंद्र सरकार कर्नाटक के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, हिंदी थोपने की लगातार कोशिशें हो रही हैं। हिंदी और संस्कृत के विकास के लिए अनुदान दिया जाता है, जबकि देश की बाकी भाषाओं की उपेक्षा की जा रही है। सीएम सिद्धारमैया बोले-अंग्रेजी और हिंदी हमारे बच्चों की प्रतिभा को कमजोर कर रही है। मातृभाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने के लिए कानून होना चाहिए। केंद्र को मातृभाषा में ही शिक्षा को अनिवार्य करना चाहिए। सीएम सिद्धारमैया अक्सर कन्नड़ को लेकर केंद्र सरकार को निशाना बनाते रहते हैं। सितंबर में एक इवेंट के दौरान उन्होंने मुख्य अतिथि राष्ट्रपति से ही पूछ लिया था।

बेगूसराय में प्रियंका गांधी ने किया दुलारचंद हत्याकांड का जिक्र

बेगूसराय (एजेंसी)। बेगूसराय के बछवाड़ा में प्रियंका गांधी ने शनिवार को सभा की। बढ़ते क्राइम को लेकर प्रियंका ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, बिहार में क्राइम चरम पर है। उद्योगपतियों की हत्या हो रही है। हाल में चुनाव प्रचार में नेता की हत्या कर दी गई। महिलाएं असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि 20 सालों से बिहार में एनडीए की सरकार है। आपको आपके अधिकार नहीं दिए गए। आपको बांटने की राजनीति की। देशभर में झूठा राष्ट्रवाद दिखाया गया। हाल में इन लोगों ने एसआईआर करवाकर 65 लाख वोट काट दिए। इसके कटने का मतलब क्या है। आपके अधिकार कट रहे हैं। आपको कमजोर किया जा रहा है। इससे आपको सरकारी फायदे नहीं मिलेगा। इन लोगों ने हर चीज पर टैक्स लगा रखा है। बड़े-बड़े उद्योग अपने दोस्तों को दे रखे हैं। इन लोगों ने प्राइवेटाइजेशन कर दिया है। सब ठेके पर हो रहा है। मोदी जी अपने 2 दोस्तों को सारी सरकारी कंपनियां दे दी हैं। मोदी जी मंच पर आकर कहते हैं सरकार बना दो करोड़ों नौकरी देंगे। अरे इससे पहले क्यों नहीं नौकरी दी गई।

कहा-प्रचार में मर्डर हो रहा, उद्योगपति मारे जा रहे, महिलाएं असुरक्षित हैं, क्राइम चरम पर है

आप क्या कर रहे थे अब तक। किसानों को लूट रहे हैं। बिजनेस खत्म कर रहे हैं। इनके हाथों में कुछ नहीं बचा है। जो आपका था वो ये लोग दोस्तों को दे चुके हैं।

- **बिहार में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं-** प्रियंका ने कहा, बिहार में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। महिलाएं असुरक्षित हैं। बच्चों की चिंता है, बेटियों की चिंता है। डर ऐसा है कि कमाने जाना भी चाहें तो नहीं जा सकती हैं। बिहार में नीतिश कुमार के हाथ में कुछ नहीं बचा है। यहां की सरकार दिल्ली से चल रही है। वो लोग जो कहते हैं नीतिश कुमार वही करते हैं। आप दूसरे शहरों में नौकरी के लिए जाते हैं। घबराहट लेकर आप वहां नौकरी करते हैं। मेरे परिवार का क्या होगा। मेरा परिवार कैसा होगा। उस वक्त आपको बचाने कोई नहीं आता।

रेलिंग टूटी, भागे लोग, जो दबा वो उठ न सका

आंध्र प्रदेश के वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़

दस की मौत

- संकरा गलियारा, रेलिंग पर फंसे लोग और चली गई जिंदगी
- महिलाएं-बच्चे चिल्लाते रहे

श्रीकाकुलम (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित काशीबुग्गा वेंकटेश्वर मंदिर में शनिवार को एकादशी के दौरान भगदड़ मचने से 10 लोगों की मौत हो गई। इनमें 8 महिलाएं और 2 बच्चे हैं। 25 से ज्यादा लोगों का इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार भारी भीड़ के दौरान धक्का-मुक्की की वजह से रेलिंग टूट गई। इससे भगदड़ मच गई। अधिकारियों को आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। भगदड़ के कई वीडियो सामने आए हैं, जिसमें मंदिर की सीढ़ियों पर लोगों की भारी भीड़ दिखाई दी। इनमें महिलाएं, बच्चें और कई बुजुर्ग भी थे। इसी दौरान रेलिंग गिर गई और लोग भीड़ से दबने लगे। महिलाएं और बच्चे बाहर निकलने के लिए चीखते-चिल्लाते दिखे। कई तो अपनी जान बचाने के लिए लोगों के ऊपर चढ़कर निकलते दिखे। वहीं, हादसे ही बाद के वीडियो में लोग भीड़ में दबी महिलाओं और बच्चों को बाहर निकालते दिखे। महिलाएं भगदड़ वाली जगह पर इधर-उधर बेसुध पड़ी दिखाई दीं। लोगों ने भीड़ में से महिलाओं को उनके हाथ-पैर पकड़कर खींचते दिखाई दिए।

पीएम ने जताया दुख, 2 लाख की सहायता राशि का ऐलान

आंध्र प्रदेश के वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई भगदड़ की घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। साथ ही पीएम ने मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। घायल व्यक्तियों को 50 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। इस हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई भगदड़ से बहुत दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द स्वस्थ हों। प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

एक बटन दबाएंगे पीएम और लहराने लगेगा ध्वज

आठ हजार मेहमान बनेंगे ऐतिहासिक पल के साक्षी

अयोध्या में 25 नवंबर को होगा ध्वजारोहण कार्यक्रम

अयोध्या (एजेंसी)। भव्य राम मंदिर में 25 नवंबर को होने वाले ध्वजारोहण समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वचालित प्रणाली से ध्वजारोहण करेंगे। इस दौरान वैदिक आचार्य समवेत स्वर में वैदिक मंत्रोच्चार करेंगे। मंदिर प्रांगण में करीब आठ हजार मेहमान उपस्थित रहेंगे। समारोह के लिए ऑटोमैटिक फ्लैग होइस्टिंग सिस्टम को उच्च सुरक्षा मानकों के साथ स्थापित किया गया है। यह प्रणाली कंप्यूटरीकृत कंट्रोल यूनिट से जुड़ी होगी। इससे एक बटन को दबाने मात्र से ध्वज फहराया जाएगा। मंदिर प्रांगण में रखे विशाल मॉनिटर पर ध्वजारोहण की पूरी प्रक्रिया लाइव दिखाई जाएगी। जब तक ध्वज राम मंदिर के 119 फीट ऊंचे शिखर तक पहुंचेगा तब तक वैदिक मंत्रोच्चारों की ध्वनि माहौल को भक्तिमय करेगी। ध्वज के कपड़े को भी अंतिम रूप दे दिया गया है।

- **क्यूआर कोड से लैस रहेगा निमंत्रण कार्ड-** ध्वजारोहण समारोह के लिए आमंत्रण कार्ड भेजने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अतिथियों को भेजे जा रहे आमंत्रण पत्र पूरी तरह क्यूआर कोड आधारित होंगे। प्रत्येक कार्ड में विशिष्ट डिजिटल पहचान कोड जोड़ा गया है। इसे स्कैन करते ही अतिथि की पहचान, सीट नंबर और प्रवेश द्वार का विवरण आ जाएगा। सभी मेहमानों के लिए रामलला का विशेष प्रसाद भी ट्रस्ट तैयार करा रहा है।

आईसीसी महिला वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला आज

- भारत-साउथ अफ्रीका में से कौन बनेगा चैंपियन, होगा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2025 आईसीसी महिला वनडे विश्व कप का फाइनल कल 2 नवंबर को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए पहला विश्व खिताब जीतने का सुनहरा मौका है। हालांकि, इस बड़े मैच पर मौसम की मार पड़ने की आशंका है क्योंकि हल्की बारिश की संभावना जताई जा रही है। आईसीसी के नियमों के अनुसार फाइनल के लिए एक रिजर्व डे रखा गया है लेकिन कोशिश यही रहेगी कि मैच उसी दिन पूरा हो जाए भले ही ओवर कम करने पड़ें। अगर किसी भी तरह से मैच पूरा नहीं हो पाता है तो रिजर्व डे पर खेला जाएगा। अगर दोनों दिन बारिश के कारण मैच नहीं हो पाता है तो दोनों टीमें संयुक्त विजेता घोषित की जाएंगी। मुंबई का माहौल इस समय काफी गरमाया हुआ है। 74 फीसदी नमी, 31 सेंटीग्रेट तापमान और 18 केपीएच की हवा के साथ-साथ, दोनों टीमों के बीच अपने पहले विश्व खिताब को जीतने की जबरदस्त उम्मीदें भी हवा में हैं।

विधायक नहीं बिहार का भविष्य तय करने का चुनाव

शाह बोले-जंगलराज में नरसंहार हुए

गोपालगंज (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वर्चुअली गोपालगंज में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। खराब मौसम के कारण उनका हेलीकॉप्टर पटना से उड़ान नहीं भर पाया। अपने भाषण में शाह ने जंगलराज की याद दिलाई, साथ ही बंद पड़े चीनी मिलों को चालू कराने का वादा किया। करीब 5 मिनट के अपने भाषण में शाह ने कहा, पीएम ने बंद पड़ी रीगा चीनी मिल को चालू करने का काम किया है। बिहार की बाकी बंद पड़ी चीनी मिल को अगले 5 साल में चालू किया जाएगा। ये चुनाव विधायक चुनने का नहीं है। ये चुनाव बिहार का भविष्य तय करने का है। बिहार किसके हाथ में रहेगा। जिन्होंने सालों तक बिहार में जंगलराज थोपा उसके या नरेंद्र जी और नीतिश जी के नेतृत्व में जो बिहार का विकास हुआ उसे चुनेगा।

शाह बोले-

हमारा घोषणापत्र विकास का ब्लूप्रिंट- शाह ने कहा- कल हमने अपना घोषणा पत्र जारी किया है। बिहार के विकास के ढेर सारे ब्लूप्रिंट की हमने घोषणा की है। लेकिन दो प्रमुख बातें एक किसानों के लिए और एक महिलाओं के लिए मैं दोहराना चाहता हूं। अभी-अभी नीतिश कुमार और मोदी जी ने 1.41 करोड़ जीविका दीदी के खाते में 10,000 रुपया जमा कराया है। वो सभी जीविका दीदी को दो लाख तक की अमाउंट उनके बैंक खाते में अलग अलग तरीके से भेजेंगे। दूसरा, बिहार के 27 लाख किसानों को 6 हजार रुपए प्रति साल देते हैं।

हिंद महासागर में 55 देशों की नौसेना का होगा जमावड़ा

- भारत करेगा मेजबानी, नेवी वाइस चीफ ने दी पूरी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत जहां एक ओर हिंद महासागर क्षेत्र में चीनी युद्धपोतों और जासूसी जहाजों पर कड़ी नजर रख रहा है। वहीं दूसरी ओर 55 देशों की नौसेनाओं के साथ विशाखापत्तनम में मिलन समुद्री अभ्यास और अंतर्राष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। इसमें अमेरिका और रूस की नौसेनाएं भी शामिल होंगी। भारतीय नौसेना उपप्रमुख वाइस एडमिरल संजय वत्यायन ने शुक्रवार को कहा, हिंद महासागर में बाहरी शक्तियों की उपस्थिति लगातार बनी हुई है और यह स्थिति बढ़ती ही जा रही है। उन्होंने बताया कि हिंद महासागर में किसी भी समय कम से कम 40 युद्धपोत सक्रिय रहते हैं और यह संख्या बढ़कर 50 तक जा सकती है। हम सभी पर नजर बनाए रखे हुए हैं और उनकी हर एक गतिविधि से वाकिफ हैं। नौसेना 15 से 25 फरवरी तक विशाखापत्तनम में मिलन अभ्यास इंडियन ओशन नेवल सिम्पोजियम की मेजबानी करेगी। वाइस एडमिरल वत्सायन ने पुष्टि की कि अमेरिका और रूस दोनों ने उपस्थिति की पुष्टि की है।

केरल में अत्यधिक गरीबी खत्म, देश का पहला राज्य बना

- सीएम पिनाराई विजयन ने विधानसभा में कर दी घोषणा
- विपक्ष का बायकॉट, कहा- यह हकीकत नहीं पूरा फ्रॉड है

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शनिवार को विधानसभा में राज्य ने अत्यधिक गरीबी से मुक्त होने की औपचारिक घोषणा की। लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार का दावा है कि केरल ऐसा करने वाला भारत का पहला राज्य है।

पिनाराई सरकार ने राज्य से अत्यधिक गरीबी हटाने के लिए 2021 में अत्यधिक गरीबी उन्मूलन परियोजना शुरू की थी। इसके तहत 64,006 परिवारों की पहचान की गई थी। सरकार का दावा है कि 4 सालों के दौरान इन परिवारों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाल लिया गया है। केरल सीएम पिनाराई ने 25 अक्टूबर को एक्स पर कहा था कि राज्य अत्यधिक गरीबी से मुक्त हो गया है। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर को केरल पिरवी या स्थापना दिवस के अवसर पर विधानसभा के विशेष सत्र में वह इसकी घोषणा करेंगे। सीएम ने कहा था कि 1,000 करोड़ से अधिक के निवेश के साथ, राज्य सरकार ने अत्यधिक गरीबी से जूझ रहे परिवारों को हर रोज खाना, स्वास्थ्य सेवाएं, घर, जरूरी दस्तावेज जैसे राशन कार्ड, आधार, पेंशन और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। विपक्ष ने सदन का बहिष्कार किया, कहा- सीएम का दावा फ्रॉड कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने पिनाराई सरकार के दावे को धोखाधड़ी करार दिया है। विपक्ष ने सरकार के विरोध में शनिवार को विशेष सत्र का बहिष्कार किया। जैसे ही विधानसभा का विशेष सत्र शुरू हुआ, सभी विपक्षी विधायक सदन से बाहर चले गए। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कहा कि नियम 300 के तहत मुख्यमंत्री का बयान गलत और सदन के नियमों के खिलाफ है। विपक्ष के आरोपों का मुख्यमंत्री ने जवाब दिया है।

महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की नई पहचान बनतीं हिम ईरा शॉप्स

● हुनर, आत्मनिर्भरता और हिमाचली अस्मिता की सशक्त कहानी

धर्मशाला। कांगड़ा जिला इन दिनों एक नयी सामाजिक-आर्थिक क्रांति का साक्षी बन रहा है। हिम ईरा शॉप्स ने महिलाओं को न केवल आर्थिक रूप से सशक्त किया है, बल्कि स्थानीय उत्पादों को नई पहचान भी दिलाई है। यह पहल वोकल फॉर लोकल की भावना को जमीनी स्तर पर साकार कर रही है जहाँ हर महिला अपने हुनर से आत्मनिर्भर भारत की कहानी लिख रही है। जिला कांगड़ा प्रशासन द्वारा संचालित हिम ईरा शॉप्स ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल साबित हो रही हैं। इन दुकानों के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अपने हस्तनिर्मित उत्पादों के लिए एक स्थायी और सम्मानजनक बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है।

कांगड़ा जिला प्रशासन ने हिम ईरा ब्रांड के अंतर्गत विशेष बिक्री केंद्र स्थापित किए हैं। इन केंद्रों पर स्थानीय महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद जैसे जैविक मसाले, हस्तशिल्प, ऊनी परिधान, बांस से बने उत्पाद, स्थानीय अचार, शहद, मिलेट्स आधारित खाद्य सामग्री और प्राकृतिक कॉस्मेटिक उत्पाद उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इन दुकानों का उद्देश्य न केवल उत्पादों की बिक्री बढ़ाना है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना भी है। प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक पंचायत या ब्लॉक स्तर पर सक्रिय स्वयं सहायता समूहों को हिम ईरा से जोड़ा जाए ताकि उनके उत्पादों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहचान मिल सके।

धर्मशाला स्थित उपायुक्त कार्यालय परिसर में जिला कांगड़ा की पहली हिम ईरा शॉप की स्थापना की गई थी। इसके बाद चामुंडा और कांगड़ा में भी हिम ईरा शॉपस शुरू की गई हैं। इन दुकानों में न केवल स्थानीय उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं, बल्कि उत्पादों की पैकेजिंग, ब्रांडिंग और गुणवत्ता सुधार के लिए प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है कि हर उत्पाद हिमाचली संस्कृति और गुणवत्ता की पहचान बनाए रखे। हिम ईरा का अर्थ है हिमाचल की अपनी पहचान और इसी उद्देश्य से यह पहल आगे बढ़ रही है। प्रदेश सरकार के सहयोग से इस ब्रांड को राज्यभर में प्रचारित किया जा रहा है, ताकि मेक इन हिमाचल को सशक्त बनाया जा सके।

कांगड़ा जिला में हिम ईरा शॉप्स ने अब तक सैकड़ों महिला समूहों को प्रत्यक्ष आय का स्रोत उपलब्ध कराया है। कई समूहों की मासिक आय में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि जिला प्रशासन कांगड़ा द्वारा हिम ईरा शॉप्स की स्थापना उन स्थानों पर की जा रही है, जहां लोगों की आवाजाही अधिक होती है जैसे एसडीएम कार्यालय परिसर, बीडीओ कार्यालय, मंदिर प्रांगण और अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थल। इस पहल का उद्देश्य महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार स्थानीय उत्पादों को एक स्थायी विपणन मंच उपलब्ध करवाना है, ताकि वे अपने उत्पादों की सीधी बिक्री कर सकें और आर्थिक रूप से सशक्त बनें। अब तक डीसी ऑफिस धर्मशाला, एसडीएम ऑफिस कांगड़ा तथा चामुंडा मंदिर के समीप स्थित कॉम्प्लेक्स में हिम ईरा शॉप्स शुरू हो चुकी हैं और यह प्रक्रिया निरंतर जारी है। हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक सब-डिविजन, ब्लॉक तथा प्रमुख मंदिर परिसरों में हिम ईरा शॉप्स खोली जाएँ, जिससे अधिक से अधिक ग्रामीण महिलाएँ लाभान्वित हो सकें।

उन्होंने कहा कि डीसी ऑफिस में संचालित शॉप से लगभग 70 हजार से एक लाख रुपये की मासिक बिक्री दर्ज की जा रही है, जिसका प्रत्यक्ष लाभ स्थानीय महिला समूहों को मिल रहा है। यह पहल न केवल उनकी आजीविका में वृद्धि कर रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में भी प्रेरित कर रही है। साथ ही, प्रशासन अब इन उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री को भी प्रोत्साहित कर रहा है, ताकि महिलाएं अपने पारंपरिक और हस्तनिर्मित उत्पादों को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से अधिक व्यापक बाजार तक पहुंच सकें। यह योजना माननीय मुख्यमंत्री के उस विजन को साकार करने की दिशा में एक ठोस कदम है, जिसके तहत ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना प्राथमिक लक्ष्य है। हिम ईरा शॉप्स इस दिशा में एक प्रेरणादायक और सफल मॉडल के रूप में उभर रही हैं। उन्होंने कहा कि हिम ईरा के लिए एक ऑनलाइन बिक्री के प्रयास किए जा रहे हैं, जहाँ स्थानीय समूह अपने उत्पादों को डिजिटली बेच सकते हैं। यह कदम वोकल फॉर लोकल और डिजिटल हिमाचल दोनों अभियानों को मजबूती देता है।

धर्मशाला के समीप पद्धर पंचायत की आशा देवी बताती हैं कि वे 12 महिलाओं के साथ मिलकर अभिलाषा नाम से एक महिला समूह चला रही हैं। आशा देवी कहती हैं कि शुरुआत में उन्होंने अर्क निकालने की मल्टी परपज मशीन की मदद से हर्बल साबुन बनाने का कार्य आरंभ किया। पहले एक ही प्रकार का साबुन बनाया जाता था, लेकिन जैसे-जैसे अनुभव और आत्मविश्वास बढ़ा, उन्होंने काम का दायरा बढ़ाते हुए कई प्रकार के साबुन, शैम्पू और फेस क्रीम जैसे उत्पाद तैयार करने शुरू किए। आशा देवी गर्व से बताती हैं कि उनके सभी उत्पादों को हिम ईरा शॉप में बिक्री के लिए रखा जाता है, जिससे उन्हें न केवल आय का स्रोत मिला है बल्कि स्थानीय स्तर पर महिला स्वावलंबन की एक प्रेरक मिसाल भी बनी हैं। हिम ईरा शॉप्स कांगड़ा जिले में महिला सशक्तिकरण की एक सजीव मिसाल बन चुकी हैं। यह पहल न केवल महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता दे रही है, बल्कि वोकल फॉर लोकल के मंत्र को भी साकार कर रही है।

प्रदेश में 222 ऑटोमैटिक मिल्क कुलेक्शन यूनिट की गई स्थापित: मुख्यमंत्री

● मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक प्रसंघ सीमित की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज यहां हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक प्रसंघ सीमित की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री ने प्रसंघ को अपने उत्पादों का बेहतर विपणन और उनकी उच्च स्तरीय गुणवता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि किन्नौर जिला के कड़च्छम या टापरी में दुग्ध प्रसंस्करण केन्द्र स्थापित किया जाएगा ताकि इसके उत्पादों को सेना और स्थानीय लोगों को उपलब्ध करवाया जा सके। उन्होंने कहा कि शिमला जिला के दत्तनगर स्थित दोनों दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्रों को आउटसोर्स आधार पर संचालित करने की संभावनों पर विचार किया जाए ताकि उत्पादन में और बढ़ौतरी सुनिश्चित की जा सके। श्री सुक्खू ने जिला मण्डी स्थित दूध संयंत्र में नया मिल्क पाउडर प्लांट लगाने का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष के दौरान प्रसंघ द्वारा दूध की खरीद में अधिकतम बढ़ौतरी दर्ज की गई है। 29 नए बल्क मिल्क कूलर स्थापित किए गए हैं। दो वर्षों में 222 ऑटोमैटिक मिल्क कुलेक्शन यूनिट स्थापित किए गए हैं। दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों की संख्या को बढ़ाने के लिए बहुआयामी प्रयास किए गए जिसके फलस्वरूप इनकी संख्या बढ़कर 716 हो गई है। मिल्क फैड को दूध विक्रय करने वाले किसानों की संख्या में भी आशातीत बढ़ौतरी हुई है। इनकी संख्या अब लगभग 40 हजार से अधिक हो गई है। बैठक में प्रसंघ के अध्यक्ष बुद्धि सिंह ठाकुर, प्रधान सचिव वित्त देवेश कुमार, सचिव एम. सुधा देवी, प्रबन्ध निदेशक विकास सूद, वरिष्ठ प्रबन्धक प्रीति और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

लुथान में 400 निराश्रित बच्चों, महिलाओं, वृद्धजनों को मिलेगा आश्रय: शांडिल

● सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री ने सुखाश्रय परिसर में निर्माण कार्यों का लिया जायजा

● बोले, साढ़े आठ करोड़ की लागत से कामकाजी महिलाओं के सखी निवास भी हो रहे निर्मित

ज्वालामुखी। स्वास्थ्य एवं सामाजिक कल्याण न्याय अधिकारिता मंत्री कर्नल धनी राम शांडिल ने कहा कि लुथान में 85 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन सुखाश्रय परिसर में 400 के करीब निराश्रित महिलाओं, बच्चों तथा वृद्धजनों के रहने की सुविधा उपलब्ध होगी इसके साथ ही लुथान में सुखाश्रय परिसर में 8 करोड़ 50 लाख की राशि सखी निवास के निर्माण पर भी खर्च की जा रही है जिसमें 50 के करीब कामकाजी महिलाओं को रहने की सुविधा मिली है। शनिवार को लुथान में सुखाश्रय परिसर में निर्माण कार्यों का जायजा लेने के उपरांत सामाजिक कल्याण न्याय अधिकरिता मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को सुखाश्रय परिसर के निर्माण कार्य में तेजी लाने

के निर्देश भी दिए। प्रारंभिक चरण में निर्माण कार्यों पर 25 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में वर्तमान प्रदेश सरकार ने अनाथ बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को संवारने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। प्रदेश सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि अनाथ बच्चे भी समाज के अन्य बच्चों की तरह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकें। इसी उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने उन्हें राज्य के नामी शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश दिलाने की पहल की है। इस पहल के माध्यम से यह बच्चे जिन्होंने कम उम्र में अपने माता.पिता को खो दिया और कभी अच्छी शिक्षा का सपना भी नहीं देख पाए थे। अब प्रतिष्ठित विद्यालयों में पढ़कर अपने सपनों को साकार करने का अवसर पा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिष्ठित विद्यालयों से भी संपर्क स्थापित कर रही है। उन्होंने बताया कि इन बच्चों को रोजगारपरक उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता भी दी जा रही है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सके।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू की दूरदर्शी नेतृत्व के परिणामस्वरूप प्रदेश सरकार ने अनाथ बच्चों के लिए मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना भी शुरू की है। यह योजना प्रदेश के अनाथ बच्चों को शिक्षा सहित अन्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। शांडिल ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने पदभार संभालने के उपरांत प्रदेश के सभी अनाथ बच्चों को चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट का दर्जा प्रदान किया है। इसके तहत उनकी देखभाल सुरक्षा और शिक्षा की जिम्मेदारी 27 वर्ष की आयु तक राज्य सरकार वहन करेगी। उन्होंने कहा कि आईटीआई पॉलिटेक्निक इंजीनियरिंग और फार्मेसी

कॉलेजों सहित सभी सरकारी सरकारी सहायता प्राप्त और निजी तकनीकी शिक्षा संस्थानों में अनाथ बच्चों के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सीट आरक्षित की गई है जिससे उन्हें अन्य विद्यार्थियों के समान व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के अवसर प्राप्त हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इन बच्चों के लिए देशभर के ऐतिहासिक स्थलों और प्रमुख नगरों का भ्रमण करवाने के लिए एक्सपोजर विजिट भी आयोजित कर रही हैए जिसमें हवाई यात्रा और तीन सितारा होटलों में आवास सहित सभी खर्च सरकार द्वारा उठाए जा रहे हैं। इस अवसर पर विधायक संजय रतन ने कहा की सुखासरे परिषद ज्वालामुखी विधानसभा के लिए एक ऐतिहासिक दिन वर्तमान सरकार की है। उन्होंने कहा कि वंचित वर्ग का उत्थान प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हिमाचल प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है जिसने अनाथ बच्चों के कल्याण के लिए विशेष कानून बनाकर उनके सम्मानजनक जीवन देखभाल और शिक्षा के अधिकार सुनिश्चित किए हैं। इसके उपरांत सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री ने शक्तिपीठ ज्वालामुखी में शीश नवाया तथा प्रदेश तथा समाज के कल्याण के लिए मंगल कामना की। इस अवसर पर एसडीएम संजीव शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक शर्मा, सीएमओ विवेक, अधीक्षण अभियंता श्री विवेक शर्मा भी उपस्थित रहे।

अग्निवीर महिला सेना पुलिस भर्ती प्रक्रिया का दूसरा चरण 13 व 14 नवम्बर को

सोलन। हिमाचल प्रदेश, हरियाणा तथा केन्द्र शासित प्रदेश चण्डीगढ़ की महिला उम्मीदवारों के लिए अग्निवीर महिला सेना पुलिस भर्ती प्रक्रिया का दूसरा चरण 13 व 14 नवम्बर, 2025 को आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी सेना भर्ती कार्यालय शिमला के एक प्रशासनिक अधिकारी ने दी। उन्होंने कहा कि 13 व 14 नवम्बर, 2025 को भर्ती प्रक्रिया खड्गा स्पॉर्ट्स स्टेडियम अम्बाला कैंट में आयोजित की जाएगी। इस विषय में प्रथम चरण के कम्प्यूटर आधारित ऑनलाइन कॉमन परीक्षा में शॉर्टलिस्ट हुए उम्मीदवारों को 31 अक्तूबर, 2025 को एडमिट कार्ड जारी कर दिए गए हैं।उन्होंने कहा कि उम्मीदवार भारतीय सेना की वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर अपने लॉगइन आईडी से अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। यदि उम्मीदवार को एडमिट कार्ड डाउनलोड करने में कोई कठिनाई आती है तो वह प्रातः 10.00 बजे से सांय 02.00 बजे तक सेना भर्ती कार्यालय में आ कर सम्पर्क कर सकते हैं।

राष्ट्रीय मतदाता हेल्पलाइन नम्बर 1950 जारी

सोलन। ज़िला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त मनमोहन शर्मा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने नागरिकों के सभी प्रश्नों व शिकायतों के समाधान के उद्देश्य से ज़िला सोलन में राष्ट्रीय मतदाता हेल्पलाइन नम्बर संचालित कर दिया है। मनमोहन शर्मा ने कहा कि ज़िला सोलन के 1950 राष्ट्रीय मतदाता हेल्पलाइन जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि यह टोल-फ्री नम्बर 1800-11-1950 के माध्यम से प्रतिदिन प्रातः 08.00 बजे से रात्रि 08.00 बजे तक संचालित रहेगा। यह कॉल प्रशिक्षित अधिकारियों द्वारा ली जाएगी जो नागरिकों और अन्य हितधारकों को निर्वाचन सेवाओं और प्रश्नों में सहायता प्रदान करेंगे। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार भविष्य में ज़िला में अपना ज़िला सम्पर्क केन्द्र भी स्थापित किया जाएगा। इस केन्द्र में समय पर और स्थानीय प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जाएगी। यह केन्द्र पूरे वर्ष सभी कार्य दिवसों में कार्यालय समय के दौरान संचालित रहेगा और क्षेत्रीय भाषाओं में सहायता प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि सभी शिकायतों और प्रश्नों को राष्ट्रीय शिकायत सेवा पोर्टल (एन.जी.एस.पी. 2.0) के माध्यम से दर्ज और ट्रैक किया जाता है। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने 'बुक-ए-कॉल बी.एल.ओ.' की सुविधा भी आरम्भ की है। इसके उपयोग से नागरिक ECINET प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध सुविधा के माध्यम से सीधे अपने सम्बन्धित बूथ स्तरीय अधिकारियों से सम्पर्क कर सकते हैं। नागरिक ECINET ऐप का उपयोग कर चुनाव अधिकारियों से भी जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार इसकी प्रगति की नियमित निगरानी की जाएगी और उपयोगकर्ताओं के समस्त अनुरोधों को 48 घंटों के भीतर निपटाना सुनिश्चित किया जाएगा।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि नागरिक निवार्चन सम्बन्धी शिकायतों के समाधान के लिए complaints@eci.gov.in पर ईमेल भेज सकते हैं। उन्होंने ज़िला के सभी मतदाताओं से निर्वाचन सम्बन्धी जानकारी, प्रतिक्रियाओं, सुझावों व शिकायतों के लिए 'बी.एल.ओ. के साथ बुक-ए-कॉल' व मतदाता हेल्पलाइन नम्बर 1950 सुविधाओं का उपयोग करने के लिए आग्रह किया ताकि शिकायतों का त्वरित व पारदर्शी समाधान हो सके।

प्रदेश में चिट्टे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ेगी प्रदेश सरकार: मुख्यमंत्री

15 नवम्बर को आयोजित की जाएगी राज्य स्तरीय एंटी चिट्टा रैली

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज यहां आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार 15 नवम्बर से चिट्टे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई आरम्भ करेगी और इसे समूल नष्ट किया जाएगा। चिट्टे के खिलाफ आगामी तीन माह तक व्यापक और बहुस्तरीय अभियान आयोजित किया जाएगा।

अभियान का शुभारम्भ 15 नवम्बर, 2025 को शिमला के रिज मैदान से चौड़ा मैदान तक 'एंटी चिट्टा रैली' से किया जाएगा। मुख्यमंत्री इस रैली का शुभारम्भ करेंगे। इस रैली में प्रदेश से विधायक, गणमान्य व्यक्ति, छात्र और समाज के सभी वर्गों के लोग हिस्सा लेंगे। तीन माह के अभियान के दौरान चिट्टे के खिलाफ बहुस्तरीय कार्रवाई की जाएगी। राज्य स्तर से लेकर पंचायत स्तर तक की जाने वाली यह कार्रवाई अब तक चिट्टा के खिलाफ सबसे बड़ा प्रहार होगा। इस अभियान में सरकार के प्रतिनिधि, पुलिस, विभिन्न विभाग, स्वयंसेवक, विद्यार्थी और अन्य लोग विभिन्न स्तरों पर कार्य करेंगे। इस दौरान नशा निवारण जागरूकता पर भी विशेष ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। अभियान के दौरान जिला, उपमंडल और अन्य स्तरों पर भी एंटी चिट्टा रैलियां आयोजित की जाएंगी। प्रदेश से चिट्टा के समूल नाश के लिए पुलिस विभाग में एक विशेष सेल गठित किया जाएगा। राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री स्वयं इस अभियान की निगरानी करेंगे।मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा प्रदेश में चिट्टा से सबसे अधिक प्रभावित पंचायतें चिन्हित कर ली गई हैं। इन पंचायतों पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया जएगा। महाविद्यालयों में एंटी चिट्टा वालंटियर तैयार किये जाएंगे। पुलिस विभाग द्वारा अभियान को सफल बनाने के लिए वृहद रूपरेखा तैयार की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मादक पदार्थों और नशे के सेवन एवं अवैध कारोबार को रोकने के लिए पंचायत स्तर पर नशा निवारण समितियों का गठन का किया जाएगा। इसके लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। समिति में अध्यक्ष सहित सात सदस्य होंगे। समितियों की हर माह नियमित रूप से बैठक आयोजित की जाएंगी, जिसमें क्षेत्र में चिट्टा व चिट्टा से सम्बन्धित गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर इसे कानून प्रवर्तन एजेंसियों से साझा किया जाएगा। ये समितियां स्कूलों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर नशा निवारण व इससे होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेंगी। ये समितियां जिला में सम्बन्धित उपायुक्त के माध्यम से अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगी और समन्वय भी स्थापित करेंगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा निवारण समितियां पंचायत स्तर पर नशा निवारण, चिट्टे के अवैध कारोबार को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।बैठक में उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया, मुख्य सचिव संजय गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह के.के. पंत, पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी, प्रधान सचिव वित्त देवेश कुमार, सचिव वित्त डॉ. अभिषेक जैन और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय राजमार्ग से बेहतर परिवहन के साथ औद्योगिक विकास को मिलेगी दिशा: डॉ. राजीव भारद्वाज

फोरलेन परियोजनाओं विस्तृत समीक्षा के लिए सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

धर्मशाला। कांगड़ा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज की अध्यक्षता में आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें एडीएम शिल्पी बेक्टा, क्षेत्रीय अधिकारी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण कर्नल अजय सिंह, परियोजना निदेशक एनएच विकास सुरजेवाला, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मंडी-पठानकोट और शिमला-मटोर राष्ट्रीय फोरलेन से संबंधित प्रमुख विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई तथा जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में मंडी-पठानकोट एवं शिमला-मटौर फोरलेन परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। सांसद ने निर्माण की गति को बढ़ाने के निर्देश दिये ताकि परियोजनाएँ निर्धारित समय सीमा में पूरी हो सकें। उन्होंने कहा कि ये दोनों राष्ट्रीय राजमार्ग न केवल प्रदेश की परिवहन सुविधा को बेहतर बनाएंगे बल्कि पर्यटन एवं औद्योगिक विकास को भी नई दिशा देंगे। डॉ. भारद्वाज ने कहा कि भूस्खलन की घटनाओं को रोकने के लिए वैज्ञानिक एवं तकनीकी दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। उन्होंने विशेषज्ञ एजेंसियों से रिपोर्ट लेकर स्थायी रोकथाम उपाय जैसे रिटेनिंग वाल, ड्रेनेज सुधार और वनीकरण योजनाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व विभाग एवं एनएचएआई को निर्देश दिए कि आपसी समन्वय बढ़ाते हुए विवादित मामलों को शीघ्र सुलझाया जाए, ताकि कार्य बाधित न हों। उन्होंने कहा कि फोरलेन निर्माण कार्य के चलते जहां भी कूहलों में व्यवधान उत्पन्न हुआ है, वहां की मरम्मत का कार्य बिना किसी विलंब के पूरा करने के निर्देश डॉ. राजीव भारद्वाज ने संबंधित अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री ने आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की पुस्तकों का विमोचन किया

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज यहां हिमाचल प्रदेश सरकार के आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के दो प्रमुख सांख्यिकीय प्रकाशनों- हिमाचल प्रदेश सांख्यिकीय सार 2024-25: डेटा विज़ुअलाइज़ेशन और सांख्यिकीय वर्ष पुस्तक 2024-25 का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य में डेटा-अधारित सुशासन को मज़बूत करने के लिए विभाग के निरंतर प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वसनीय, पारदर्शी और समयबद्ध डेटा विकास योजनाओं के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे प्रत्येक नागरिक, विशेषकर दुर्गम और संवेदनशील क्षेत्रों के लोगों का विकास सुनिश्चित होता है। उन्होंने कहा कि 2024-25 संस्करण में नवीन डेटा विज़ुअलाइज़ेशन सुविधाएं जैसे विभिन्न रंगों के उपयोग वाले चार्ट, ग्राफ़, मानचित्र शामिल हैं। इस प्रकार की जानकारी नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, अधिकारियों और आम जनता के लिए अधिक सुलभ, सहज और उपयोगकर्ता के अनुकूल होती है।श्री सुक्खू ने कहा कि आज के तेज़ी से बदलते आर्थिक परिदृश्य में, सतत और समावेशी विकास के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए साक्ष्य-

आधारित नीति-निर्माण अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इन प्रकाशनों में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, आधारभूत अधोसंरचना, वित्त, डिजिटल सेवाओं और जन कल्याण कार्यक्रमों सहित प्रमुख क्षेत्रों से संबंधित जानकारी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि ये प्रकाशन आधुनिक, प्रौद्योगिकी-सक्षम शासन के प्रति हिमाचल प्रदेश की प्रतिबद्धता में एक महत्त्वपूर्ण मील पत्थर साबित होंगे। जटिल डेटा को सरल दृश्य रूपों में परिवर्तित करने का उद्देश्य जनता की सार्वजनिक डेटा से संबंधित समझ में वृद्धि करना, शैक्षणिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना और विभिन्न क्षेत्रों में निगरानी अधोसंरचना को मज़बूत करना है। सचिव (आर्थिक एवं सांख्यिकी) डॉ. अभिषेक जैन ने बताया कि डिजिटल हिमाचल पोर्टल पर भी यह डेटा ऑनलाइन उपलब्ध हैं। इससे पारदर्शी तरीके से डेटा तक जनता की पहुंच सुनिश्चित होती है।

आवश्यक सूचना

ब्याठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालय: बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा दिवस पर दी बड़ी सौगात

- पूरे प्रदेश में पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली का शुभारंभ
- पेपरलेस रजिस्ट्री से समय और संसाधनों की बचत होगी और भ्रष्टाचार की संभावनाओं पर अंकुश लगेगा : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश को एक और सौगात दी है। राज्य सरकार ने हरियाणा को डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम की ओर अग्रसर करते हुए मुख्यमंत्री पूरे प्रदेश में पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली लागू की है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा निवास पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान बटन दबाकर इस प्रणाली को लागू किया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 29 सितंबर को कुरुक्षेत्र जिले की लाडवा तहसील से इस पहल की शुरुआत की थी, जिसे अब पूरे राज्य में विस्तारित किया गया है। उन्होंने कहा कि 29 सितंबर से 31 अक्तूबर, 2025 तक कुल 917 पेपरलेस रजिस्ट्री सफलतापूर्वक की जा चुकी हैं, जो इस व्यवस्था की सफलता का प्रमाण हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस नई प्रणाली से दशकों पुरानी जटिल रजिस्ट्री प्रक्रिया से लोगों को राहत मिलेगी और अब रजिस्ट्री कार्यों में अनावश्यक देरी की समस्या समाप्त हो जाएगी। नागरिक अब अपने घर बैठे ही अधिकतर प्रक्रियाएं पूरी कर सकेंगे। केवल एक बार फोटो खिंचवाने के लिए संबंधित तहसील में जाना आवश्यक होगा। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल पारदर्शिता और सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि इससे प्रदेश की जनता को वास्तविक सुविधा मिलेगी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि पेपरलेस रजिस्ट्री से समय और संसाधनों की बचत होगी तथा भ्रष्टाचार की संभावनाओं पर अंकुश लगेगा। इस दौरान पर्यटन मंत्री श्री अरविंद शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव, मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, वित्तायुक्त डॉ सुमिता मिश्रा, अंतोदय विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती जी अनुपमा, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक श्री केएम पांडुरंग, राजस्व विभाग के विशेष सचिव श्री यशपाल सिंह, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीण आत्रेय भी मौजूद थे।

सरकार आयुर्वेदिक चिकित्सा और शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयासरत : आरती सिंह राव

- बाबा खेतानाथ आयुर्वेदिक कॉलेज नारनौल में 100 बीएएमएस सीटों पर पुन : एडमिशन की अनुमति

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य एवं आयुष मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) की ओर से ÷बाबा खेतानाथ राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल पटीकरा÷ को शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए 100 बीएएमएस सीटों पर दाखिले की पुनः अनुमति प्रदान की गई है। आरती सिंह राव ने बताया कि पिछले कुछ सत्रों में कॉलेज में शिक्षकों और तकनीकी स्टाफ की कमी के कारण सभी 100 सीटों पर प्रवेश नहीं हो पा रहे थे, जिससे यह संख्या घटकर केवल 63 सीटों तक सीमित रह गई थी। सरकार ने कॉलेज में आवश्यक शिक्षकों की नियुक्ति, अधोसंरचना सुधार और शैक्षणिक मानकों को पूरा करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की। विभागीय समन्वय से एनसीआईएसएम द्वारा अब पुनः कॉलेज को उसकी पूर्ण सीट क्षमता यानी 100 सीटों की मान्यता प्रदान की गई है। आयुष मंत्री ने कहा कि यह निर्णय प्रदेश के उन छात्रों के लिए राहत का काम करेगा , जो हरियाणा के एकमात्र राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज से बीएएमएस की पढ़ाई का सपना देखते हैं। राज्य सरकार आयुर्वेदिक चिकित्सा और शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है, ताकि युवा पीढ़ी को बेहतर अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि सरकार भविष्य में प्रदेश में आयुर्वेदिक संस्थानों के विस्तार और आधुनिक सुविधाओं से लैस नई परियोजनाओं पर भी कार्य कर रही है, ताकि आयुष चिकित्सा प्रणाली को जन-जन तक पहुंचाया जा सके।

रक्तदान महादान है और मानवता की सच्ची सेवा है : मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने पंचकूला में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय रक्तदान शिविर का किया शुभारम्भ
- रक्तदान शिविर का आयोजन श्री गुरु तेग बहादुर जी को सच्ची श्रद्धांजलि : मुख्यमंत्री
- रक्तदान हम सभी एक सामाजिक जिम्मेदारी भी है : नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि रक्तदान महादान है और मानवता की सच्ची सेवा है। प्रदेश के लोग विभिन्न अवसरों पर रक्तदान कर रहे हैं और जब कोई विशेष दिवस रक्तदान जैसे पुण्य कार्यों के साथ मनाया जाता है, तो उसका सामाजिक मूल्य और आध्यात्मिक पुण्य कई गुणा बढ़ जाता है। मुख्यमंत्री आज किसान भवन, सेक्टर 14, पंचकूला में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय रक्तदान शिविर का शुभारम्भ करने उपरांत सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन हरियाणा के निर्माण का उत्सव और श्री गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान से प्रेरणा लेने का दिन है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका हौसला बढ़ाया और इस पुनीत कार्य के लिए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव और सहकारिता मंत्री डा0 अरविंद शर्मा भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस रक्तदान शिविर का आयोजन श्री गुरु तेग बहादुर जी को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि धर्म की रक्षा केवल तलवार से नहीं, बल्कि त्याग और सत्य से होती है। जब औरंगजेब के अत्याचार से भारत की आत्मा कराह रही थी, जब धर्म परिवर्तन के लिए लोगों को मजबूर किया जा रहा था, तब श्री गुरु तेग बहादुर जी ने कहा था 'सीस दिया पर धर्म न दिया। उनका यह बलिदान किसी एक समुदाय के लिए नहीं था। वह समस्त मानवता की स्वतंत्रता, धार्मिक आस्था और अभिव्यक्ति की आजादी के लिए था। उन्होंने कहा कि आज, श्री तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में जब हम रक्तदान कर रहे हैं, तो यह केवल किसी को जीवन दान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि गुरु जी के संदेश का सबसे बड़ा पालन है। गुरु जी ने हमें दूसरों के लिए अपना जीवन न्यौछावर करने का पाठ पढ़ाया था। आज हम अपना रक्त देकर उसी परोपकार की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। रक्तदान, जीवनदान है और जीवनदान से बड़ा कोई धर्म, कोई सेवा, कोई उपासना नहीं है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि रक्तदान से किसी मरीज को नया जीवन मिलता है। वह सदा रक्तदाता का आभारी रहता है। विज्ञान चाहे आज नित नई प्रगति कर रहा है। लेकिन अभी तक विज्ञान रक्त का कोई विकल्प नहीं ढूंढ पाया है। रक्त को बनाया नहीं जा सकता, केवल दान से प्राप्त रक्त से ही किसी की जिंदगी बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि जब आप रक्तदान करते हैं, तो आप न केवल किसी एक व्यक्ति के जीवन को बचाते हैं, बल्कि एक पूरे परिवार को संकट से उबारते हैं। इसलिए आज हम सभी को यह समझना होगा कि रक्तदान एक सामाजिक जिम्मेदारी भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें यह जानकर गर्व हो रहा है कि इस शिविर में बड़ी संख्या में युवा साथी रक्तदान के लिए आगे आए हैं। उन्होंने सभी युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि आप ही वह परिवर्तन की ऊर्जा हैं जो समाज को दिशा देती है। रक्तदान जैसे पुण्य कार्यों में युवाओं की सहभागिता आने वाले समय में हरियाणा और देश को एक संवेदनशील, सशक्त और जागरूक समाज बनाएगी। उन्होंने आह्वान किया कि आज इस रक्तदान शिविर से सभी एक संदेश लेकर जाएं कि मानवता की सेवा ही ईश्वर की सच्ची पूजा है।

इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने कहा कि हरियाणा ने हमेशा स्वास्थ्य, कल्याण और सामाजिक सेवा के प्रति अपने दायित्व को मजबूती से निभाया है। हरियाणा दिवस के इस गौरवपूर्ण दिन पर हम प्रगति और विकास के साथ अपनी निष्ठा को दोहराते हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानव द्वारा किए जाने वाले सबसे महान कार्यों में से एक है। यह जीवन का उपहार है, किसी की जरूरत की घड़ी के साथ खड़े रहने का मौन व्रत है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि किसी भी आपातकाल या गंभीर बीमारी की स्थिति में रक्त की एक यूनिट जीवन और मृत्यु के बीच के अंतर को मिटा सकती है।

पंजाब राजभवन में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत 8 राज्यों और 7 केंद्र शासित प्रदेशों के राज्यत्व दिवस का भव्य समारोह आयोजित

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। 8 राज्यों - पंजाब, हरियाणा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु - और 7 केंद्र शासित प्रदेशों - जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, चंडीगढ़, दिल्ली, लक्षद्वीप और पुडुचेरी - के राज्यत्व दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य और जीवंत समारोह का आयोजन गुरु नानक देव सभागार, पंजाब राजभवन, चंडीगढ़ में ÷एक भारत श्रेष्ठ भारत÷ थीम के अंतर्गत किया गया। इस कार्यक्रम में पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक, श्री गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को दर्शाने वाले रंगारंग कार्यक्रमों के माध्यम से भारत की एकता और विविधता को प्रदर्शित किया गया। प्रतिभागियों ने देश भर के पारंपरिक नृत्य, लोकगीत और क्षेत्रीय संगीत प्रस्तुत किए, जो ÷एक भारत श्रेष्ठ भारत÷ - विविधता में एकता की भावना - के सार को दर्शाते थे। अपने प्रेरक संबोधन में, श्री गुलाब चंद कटारिया ने दूरदर्शी पहल ÷एक भारत श्रेष्ठ भारत÷ की शुरुआत के लिए भारत के माननीय प्रधानमंत्री को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम ने देश भर के नागरिकों को भारत के हर हिस्से की संस्कृति, विरासत और परंपराओं को समझने, सराहने और उनका जश्न मनाने में सक्षम बनाया है।

उन्होंने कहा कि ÷एक भारत श्रेष्ठ भारत÷ भारत के लोगों के बीच दिलों को जोड़ने और भाईचारे के बंधन को मजबूत करने का एक सशक्त माध्यम बन गया है। यह सभी क्षेत्रों के नागरिकों को एक-दूसरे के रीति-रिवाजों, मूल्यों और उपलब्धियों के बारे में जानने का अवसर देता है, जिससे %एक राष्ट्र, एक भावना, एक भविष्य% के दृष्टिकोण को बल मिलता है।श्री. कटारिया ने कहा, ÷हमारे देश की पहचान इसकी %अनेकता में एकता% में निहित है। भारत की शक्ति इसके लोगों से आती है–संस्कृति, भाषा और परंपरा में विविधता के बावजूद, जो देशभक्ति और मानवता के एक सूत्र में बंधे हैं। प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश राष्ट्र निर्माण में अपने अनूठे तरीके से योगदान देता है।÷

भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी 150वीं जयंती पर स्मरण करते हुए, श्री कटारिया ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सरदार पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व और दृढ़ संकल्प ने ही स्वतंत्रता के बाद 562 रियासतों को एक राष्ट्र के रूप में एकीकृत किया। उन्होंने कहा, ÷भारत की एकता और अखंडता की नींव सरदार पटेल ने रखी थी। उनकी दूरदर्शिता हमें %अखंड भारत% के निर्माण के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रेरित करती रहती है।÷ राज्यपाल ने ऑपरेशन सिंदूर का भी विशेष उल्लेख किया और इसे भारत की एकता, साहस और अनुशासन का एक उल्लेखनीय उदाहरण बताया। उन्होंने सीमावर्ती राज्यों के लोगों और सुरक्षा बलों द्वारा दिखाए गए पराक्रम और देशभक्ति की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके समर्पण ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक कार्यक्रमों में चंडीगढ़ के युवाओं की भागीदारी पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा, ÷राष्ट्रीय सेवा में युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी दर्शाती है कि हमारे युवा न केवल अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हैं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के प्रति भी उतने ही प्रतिबद्ध हैं।÷ अपने संबोधन के दौरान, श्री कटारिया ने भाग लेने वाले प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के विशिष्ट सांस्कृतिक, सामाजिक और विकासात्मक योगदानों के बारे में भी बात की–जिसमें जम्मू-कश्मीर की आध्यात्मिक विरासत और केरल की साक्षरता उपलब्धियों से लेकर पंजाब की वीरता, हरियाणा की खेल उत्कृष्टता, कर्नाटक के शैक्षिक नवाचार और तमिलनाडु की वैज्ञानिक विरासत शामिल हैं।

कुदरत की मार झेल रहे किसानों के साथ सरकार को खड़ा होना चाहिए : कुमारी सैलजा

- कहा– मुआवजा देने के नाम पर किसानों को सरकार दे रही है तारीख पर तारीख

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि रोहतक, भिवानी, हिसार और फतेहाबाद जिलों में जलभराव के कारण किसानों की फसलें बर्बाद हो चुकी हैं, परंतु राज्य सरकार अब तक न तो गिरदावरी पूरी कर पाई है और न ही किसानों को उचित मुआवजा देने की दिशा में कोई ठोस कदम उठाए हैं। मुआवजा के नाम पर सरकार किसानों को तारीख पर तारीख दे रही है। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि हाल ही में प्रकाशित समाचार के अनुसार चार जिलों में 50 हजार एकड़ से अधिक भूमि में अभी भी 2 से 3 फीट तक पानी भरा हुआ है। खेतों में खड़ी फसलें सड़ चुकी हैं और रबी की बुआई पर संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि फतेहाबाद जिले के बड़ोपल, धांगड़, धानकला, डिंग, जंडवाला जाटान, भूना और आसपास के गांवों में भी खेत पूरी तरह जलमग्न हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। सांसद ने सरकार से तत्काल विशेष गिरदावरी कराकर सभी प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने, जल निकासी के लिए पंप सेट और मशीनें मुहैया कराने तथा रबी सीजन की बुआई के लिए राहत पैकेज जारी करने की मांग की। कुमारी सैलजा ने कहा है कि किसानों को मुआवजे के लिए इधर-उधर भटकने की बजाय सरकार को स्वयं गांव-गांव जाकर नुकसान का आकलन करना चाहिए। कुदरत की मार झेल रहे किसानों को इस कठिन समय में सरकार का सहारा चाहिए, लेकिन मौजूदा हालात में प्रशासनिक उदासीनता किसानों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। सांसद ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि वे प्रभावित गांवों में जाकर किसानों की सहायता करें और उनकी समस्याओं को जिला प्रशासन तक पहुंचाएं। सांसद ने कहा कि सरकार ने पहले वायदा किया था कि किसानों को दिवाली से पहले मुआवजा दे दिया जाए पर किसानों की दीवाली भी काली रही, अब सरकार कह रही है कि नवंबर माह के अंत तक किसानों को मुआवजा दे दिया जाएगा। सरकार मुआवजा के नाम पर किसानों को तारीख पर तारीख देने में लगी हुई है। सरकार को किसानों की मदद करने के बजाए उनके साथ मजाक नहीं करना चाहिए।

हरजोत सिंह बैंस द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय सीनेट को भंग करने संबंधी केंद्र के कदम की कड़ी आलोचना

पंजाब की गौरवशाली विरासत पर हमले के खिलाफ डटे रहने का प्रण

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विश्वविद्यालय की 59 साल पुरानी सीनेट और सिंडिकेट को मनमाने ढंग से भंग करने के निर्णय पर भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए पंजाब के शिक्षा मंत्री श्री हरजोत सिंह बैंस ने आज इस तानाशाही फैसले को पंजाब की गौरवशाली विरासत, लोकतंत्र और बौद्धिकता पर सीधा हमला बताया। श्री बैंस ने कहा कि यह शासन नहीं बल्कि राजनीतिक धक्केशही है। केंद्र का यह एकतरफा कदम पंजाब की मेहनत से अर्जित की गई स्वायत्तता, अकादमिक स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों को रौंदने वाला है। यह पंजाब की आत्मा पर प्रहार है।

पंजाब विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक और भावनात्मक महत्व का उल्लेख करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह केवल एक विश्वविद्यालय नहीं, बल्कि दशकों की सामूहिक मेहनत, बौद्धिकता और कुर्बानियों से निर्मित संस्थान है। उन्होंने सीनेट भंग करने के पीछे की संकीर्ण मानसिकता पर सवाल उठाते हुए पिछली सीनेट चुनावों में पंजाब के लोगों द्वारा दिए गए स्पष्ट जनादेश का भी उल्लेख किया। श्री हरजोत सिंह बैंस ने पूछा, ÷केंद्र सरकार को छह दशक पुरानी लोकतांत्रिक संस्था को खत्म करने की हिम्मत कैसे हुई?÷ उन्होंने कहा कि पिछली सीनेट चुनावों में ग्रेजुएट हलके के लिए पंजाब के लोगों ने सभी सीटें जीतकर अपने प्रतिनिधि चुने थे। यह जनता का स्पष्ट जनादेश था। अब भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार, जो बैलेट बॉक्स के ज़रिए जनता का विश्वास नहीं जीत सकी, अपने चहेतों को आगे लाकर इस सम्मानित और ऐतिहासिक विश्वविद्यालय को राजनीति का अखाड़ा बनाना चाहती है। इस कदम को ÷कब्ज़े और धक्केशाही भरी कार्रवाई÷ बताते हुए शिक्षा मंत्री द्वारा केंद्र सरकार नियंत्रण को केंद्रीकृत करने, पंजाब की अलग आवाज़ को दबाने और भारतीय संविधान में निहित संघवाद के सिद्धांतों को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर करने की छिपी हुयी खतरनाक साज़िश को उभारा।

उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह प्रत्यक्ष तौर पर असहमति को दबाने और राज्यों के अधिकारों को कमजोर करने की सोची-समझी कोशिश है, परंतु पंजाब इस तानाशाही के आगे नहीं झुकेगा। पंजाब सरकार शिक्षकों, छात्रों और स्टाफ़ सहित पूरे अकादमिक समुदाय के साथ मिलकर हर लोकतांत्रिक मंच पर केंद्र के इस कदम का कड़ा विरोध करेगी और पंजाब की प्रतिष्ठित विरासत और अधिकारों की रक्षा के लिए सभी कानूनी और संवैधानिक उपाय अपनाएगी। उन्होंने स्पष्टतः कहा कि पंजाब विश्वविद्यालय पंजाब और उसके लोगों की है; इसका इतिहास और भविष्य पंजाब से गहराई से जुड़ा है। यह किसी तानाशाह केंद्र सरकार की निजी संपत्ति नहीं है, जो इसे मनमाने ढंग से चलाना या दबाना चाहती है। पंजाब के लोग इस राजनीतिक धक्केशाही को किसी भी हालत में सफल नहीं होने देंगे।

वांछित अपराधी रणजीत उर्फ़ सप्प बठिंडा से गिरफ्तार; पिस्तौल बरामद

- गिरफ्तार गैंगस्टर रम्मी मछाणा का करीबी : डीजीपी गौरव यादव
- इस केस में अगले-पिछले संबंधों का पता लगाने के लिए और जांच जारी

चंडीगढ़/बठिंडा । मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत पंजाब को एक सुरक्षित राज्य बनाने की मुहिम के दौरान एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ), पंजाब ने बठिंडा पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में बठिंडा जिले के गांव बंगी निहाल सिंह निवासी वांछित अपराधी रणजीत सिंह उर्फ़ सप्प को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। पुलिस टीमों ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध .32 बोर पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उक्त आरोपी गैंगस्टर रम्मी मछाणा का करीबी है और दो आपराधिक मामलों में पुलिस को वांछित था।

उन्होंने कहा कि इससे पहले पुलिस ने आरोपी के घर से 130 ग्राम हेरोइन, छह जिंदा कारतूस, एक 9 एमएम देसी पिस्तौल और एक .12 बोर

देसी पिस्तौल बरामद की थी। उस समय उसकी मां परमजीत कौर को गिरफ्तार किया गया था, जबकि आरोपी फरार हो गया था। डीजीपी ने बताया कि इस मामले में आरोपी के अन्य आपराधिक संबंधों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। अभियान का विवरण साझा करते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) एजीटीएफ प्रमोद बान ने कहा कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर कार्रवाही करते हुये डीएसपी एजीटीएफ राजन परमिंदर के नेतृत्व में एजीटीएफ की पुलिस टीमों ने बठिंडा पुलिस के सहयोग से बठिंडा के गांव भगवानपुरा से आरोपी रणजीत सिंह उर्फ़ सप्प को गिरफ्तार किया। सीनियर पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) बठिंडा अमनीत कौंडल ने बताया कि रणजीत सिंह का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है, जिसके खिलाफ हत्या, नुकसान पहुंचाने के इरादे से घर में घुसना, आर्म्स एक्ट, जेल एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के उल्लंघन से जुड़े कई मामले

दर्ज हैं।

इस संबंध में थाना संगत, बठिंडा में एफआईआर नंबर 139, दिनांक 20.09.2025 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(बी) और आर्म्स एक्ट की धारा 25 में पहले से ही मामला दर्ज है।

अमन अरोड़ा और तरुनप्रीत सौंद द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की मुलाकात

श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित समागमों में शामिल होने का दिया निमंत्रण

चंडीगढ़/लखनऊ। नौवें पातशाह श्री गुरु तेग़ बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित समागमों में शामिल होने के लिए देशभर के नेताओं को आमंत्रित करने के उद्देश्य से पंजाब सरकार की पहल के तहत, पंजाब के रोजगार सृजन, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण मंत्री तथा आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री अमन अरोड़ा और पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों के मंत्री श्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को नौवें पातशाह श्री गुरु तेग़ बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित आयोजनों में सम्मिलित होने के लिए औपचारिक निमंत्रण देना था।

बैठक के दौरान मंत्रियों ने दिल्ली में सभी भारतीयों की धार्मिक

स्वतंत्रता की रक्षा हेतु शहीद हुए नौवें पातशाह की शहादत के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ये समागम न केवल पंजाब के लिए बल्कि पूरे देश और मानवता के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो बलिदान और मानवाधिकारों की रक्षा के प्रतीक हैं। श्री अमन अरोड़ा ने कहा, ÷श्री गुरु तेग़ बहादुर साहिब जी की शहादत भारत के बहुलवादी समाज के सिद्धांतों की नींव है। उस समय राजधानी में गुरु साहिब जी की शहादत ने उनकी विरासत को सदा के लिए भारत की आत्मा में समा दिया। इन समागमों में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की उपस्थिति राष्ट्रीय एकता का सशक्त प्रतीक होगी और गुरु तेग़ बहादुर साहिब जी द्वारा अत्याचार के विरुद्ध डटकर संघर्ष करने और सभी समुदायों के अधिकारों की रक्षा के सिद्धांत के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

संपादकीय

चाबहार बंदरगाह से ट्रैक पर आए अमेरिका-भारत के रिश्ते

ईरान के चाबहार बंदरगाह पर भारत को अमेरिकी प्रतिबंधों से मिली छूट बड़ी राहत है। भले अभी यह केवल 6 महीने के लिए हो, लेकिन बातचीत के जरिये दोनों देश आगे कोई न कोई रास्ता निकाल सकते हैं। यह खबर भारत-अमेरिका रिश्तों में हो रहे सुधार का संकेत देती है। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में, 2018 में भारतीय कंपनियों को चाबहार डिवेलप करने की छूट दी थी। लेकिन, दूसरी बार सत्ता संभालते ही उन्होंने इस छूट को खत्म करने के एग्जिक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर दिए। उनका यह आदेश 29 सितंबर से लागू हुआ था। भारत के लिए चाबहार केवल व्यापार के नजरिये से महत्वपूर्ण नहीं, जहां उसने अरबों रुपये का निवेश किया है - इसकी अहमियत रणनीतिक भी है। चाबहार एक साथ चीन और पाकिस्तान दोनों को जवाब है। चीन अपने महत्वाकांक्षी बीआरआई प्रॉजेक्ट के तहत पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट को डिवेलप कर रहा है । चाबहार से नई दिल्ली को अफगानिस्तान और मध्य एशिया में एंट्री का नया रास्ता मिल जाता है, वह भी पाकिस्तान जाए बिना। भारत, रूस और ईरान ने मिलकर इंटरनैशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर की योजना बनाई थी और चाबहार इसका अहम हिस्सा है। एक महीने में ही अमेरिकी रुख में आया बदलाव बताता है कि नई दिल्ली और वॉशिंगटन की बातचीत सही दिशा में चल रही है। महत्वपूर्ण है कि इस छूट की घोषणा से कुछ ही घंटों पहले एशिया पैसिफिक के मंच से ट्रंप ने बताया था कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील जल्द होने वाली है। अमेरिका ने अगस्त में भारत पर 50त्न टैरिफ थोपा था। चढ़ाव से गुजरे हैं। इस दौरान ट्रंप ही नहीं, उनके व्यापार सलाहकार पीटर नवारो और वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भी भारत के खिलाफ यानबाजी की और दबाव बनाने का प्रयास किया। लेकिन, अब रिश्तों में स्थिरता आती दिख रही है। चीन के साथ अमेरिका की रेयर अर्थ को लेकर दो बार भिड़ंत हो चुकी है। स्कॉट बेसेंट तो यहां तक कह चुके हैं कि इस लड़ाई में भारत को अमेरिका का साथ देना चाहिए। अभी भले ट्रंप और शी ने मिलकर मुद्दे सुलझा लिए हों, पर चीन पर दबाव बनाए रखने के लिए स्को भारत जैसा साथी चाहिए।

अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव कम होने के संकेत मिले हैं। इससे दुनिया भर के बाजारों में शक्ति संतुलन बदल रहा है। भारत के लिए यह एक महत्वपूर्ण मोड़ है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह एक बड़ी सीख है कि घरेलू मजबूती और विकल्पों से बराबरी पर बातचीत संभव है। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार को लेकर चल रही तनातनी में अहम मोड़ आया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की हालिया मुलाकात ने सालों से बढ़ते तनाव को कम करने का संकेत दिया है। लेकिन, भारत समेत दुनिया भर के उभरते बाजारों के लिए असली मायने इस बात में हैं कि आगे क्या होता है। हालांकि, एक बात साफ है कि दुनिया में शक्ति का संतुलन तेजी से बदला है। भारत के सामने भी इसने कई तरह की चुनौती खड़ी कर दी है।

डील या ड्रामा न चीन झुका, न अमेरिका जीता, फिर भारत पर ये संकट के बादल कैसे?

(अमित शुक्ला)

वह इस पावर प्?ले का अहम हिस्?सा है।बाजार के जानकारों का मानना है कि इस घटना से एक बड़ी सीख मिलती है। वह यह है कि शक्ति का संतुलन बदल रहा है। मार्केट एक्सपर्ट मनीष सिंह कहते हैं, सबसे बड़ी बात यह है कि अमेरिका को आगे भी चीन को रियायतें देनी पड़ेंगी। जो हुआ है उससे बिल्कुल साफ है। इसे अमेरिका की जीत के तौर पर पेश नहीं किया जा सकता। यह बस समझदारी का नतीजा है कि कुछ चीजें ऐसी हैं जो अमेरिका कर नहीं सकता या जिसमें वह अच्छा नहीं है और उसे समझौता करना ही पड़ेगा। चीन दिखा रहा है कि बराबरी के तौर पर बातचीत कैसे की जाती है।

सिंह ने यह भी कहा कि भले ही भारत अभी बराबरी की हैसियत से बातचीत करने की स्थिति में न हो। लेकिन, नई दिल्ली के लिए मैसेज साफ है, चीन ने रास्ता दिखाया है कि अगर आप खुद को अंदरूनी तौर पर मजबूत बनाते हैं और आपके पास विकल्प होते हैं तो आप भी एक दिन बराबरी पर बातचीत कर सकते हैं... अमेरिका के पास वे सारे मजबूत पत्ते नहीं हैं जो लोग सोचते हैं, क्योंकि पिछले 10-20 सालों में बहुत कुछ बदल गया है।

यह बहुत ही अहम सवाल है। भारत को चीन से दूर जा रही ग?लोबल कंपनियों से काफी फायदा हुआ है। खासकर ट्रंप के पहले कार्यकाल में शुरू हुई टैरिफ वॉर के दौरान। लेकिन, वाशिंगटन और बीजिंग के बीच अगर सहमति बनती है तो क्या भारत की सप्लाई-चेन का फायदा खतरे में पड़ जाएगा? मनीष

सिंह मानते हैं कि ऐसा हो सकता है। उन्होंने समझाया कि अमेरिकी कंपनियां या पश्चिमी देश चीन से इसलिए हटे थे क्योंकि उन्हें टैरिफ वॉर का डर था। यह बहुत साफ है कि अमेरिका उस युद्ध को जीत नहीं सकता।

सिंह के मुताबिक, जो कुछ अभी हो रहा है उसे 'सब्सक्रिप्शन डिप्लोमेसी' कहा जा सकता है। इसका मतलब है बड़े समझौतों के बजाय छोटे, रिन्?यूएबल सौदे। उन्?होंने कहा, आप छोटे-छोटे सौदे देखेंगे, जैसे कल हमने देखे। इन्?हें मैं सब्सक्रिप्शन डिप्लोमेसी कहता हूं क्योंकि आपके पास 12 महीने का सौदा होता है जिसे रिन्?यू किया जा सकता है। इसमें शर्तों को बदलने की गुंजाइश है। यह अवधि समाप्त होने से पहले ही रिन्?यूअल के लिए आ सकता है।

सिंह ने यह भी कहा कि ऐसे छोटे-छोटे सौदे उभरते बाजारों के लिए फायदेमंद हैं। उनके मुताबिक, अगर यह सामान्य बात बन जाती है कि रियायतें दी जाएंगी और सौदे होंगे तो यह उभरते बाजारों, खासकर चीन और अन्य देशों के लिए बहुत अच्छी खबर है... अगर इससे व्यापार बढ़ता है तो यह भारत सहित सभी के लिए अच्छी खबर है।

विदेशी निवेशक 2025 में भारतीय इक्विटी से लगभग 1.9 लाख करोड़ निकाल चुके हैं। इससे वैश्विक जोखिम लेने की क्षमता पर चिंताएं बढ़ गई हैं। लेकिन, सिंह का मानना है कि व्यापक आर्थिक तस्वीर अभी भी उत्साहजनक है। उन्?होंने कहा, अगर हम फेड के कल या बुधवार के फैसले को देखें तो यह बताता है कि फेड ने अभी यह तय नहीं किया है कि ब्याज दरें कहां जाएंगी... मेरा मानना है कि फेड दिसंबर में ब्याज दरें घटाएगा और हालात आसान होंगे।

उन्होंने हालिया निकासी के बावजूद विकास की संभावनाओं पर आशावाद जाहिर किया। वह बोले, मैं विकास को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि फेड गलत है। महंगाई कोई समस्या नहीं है... मेरे लिए अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होना बहुत सकारात्मक होगा।

सिंह का तर्क है कि ग?लोबल अर्थव्यवस्था जी2 दुनिया की ओर बढ़ रही है। यह एक ऐसी दुनिया है जहां अमेरिका और चीन को एक-दूसरे पर निर्भर रहकर सह-अस्तित्व में रहना होगा। उन्?होंने कहा, मैंने इसे कभी युद्ध के रूप में नहीं देखा। मैंने इसके बारे में लिखा है कि हम एक जी2 दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं जहां अमेरिका और चीन को सह-अस्तित्व में रहना होगा... अमेरिका के पास मजबूत स्थिति नहीं है और मेरे लिए यह बहुत सकारात्मक है क्योंकि बहुत सारा निवेश जो रुका हुआ था... अब फिर से प्रवाहित होगा। बाजार इसे बड़ी सफलता नहीं, बल्कि तनाव कम होने के तौर पर देख रहे हैं। सिंह का मानना है कि बाजार इसे एक लंबी प्रक्रिया की शुरुआत के रूप में देख रहे हैं, न कि अचानक समाधान के रूप में। उन्?होंने कहा, मैं कहूंगा कि बाजार इसे एक जारी रहने वाले सौदे के रूप में देख रहा है। मेरा मतलब है, मुझे नहीं लगता कि बाजार वास्तव में सोचता है कि कोई बड़ा सौदा हुआ है। उन्होंने समझाया, आप वास्तव में यह देख रहे हैं कि क्या तनाव कम हुआ है, क्या भविष्य में चर्चा करने और सहमत होने का रास्ता तय हो गया है और यही हुआ है। तो इसने बाजार पर क्या असर डाला है, वह यह है कि नवंबर में समय सीमा आने के कारण जो जोखिम बढ़ा था, वह चला गया है, भले ही वह तीन महीने या छह महीने के लिए ही क्यों न हो। सिंह के अनुसार, चीन की तैयारी ने उसे बढ़त दिलाई है। इसमें कोई शक नहीं... वे विशेषज्ञ हैं। वे इसकी उम्मीद कर रहे थे। जब पहली बार टैरिफ वॉर शुरू हुई तो वे वापस चले गए और उन्होंने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी और सात साल बाद वे जीत रहे हैं। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि अनिश्चितता में कमी अपने आप में जोखिम वाली संपत्तियों के लिए सकारात्मक है। सिंह ने कहा, मुझे बाजार में गिरावट नहीं दिखती और कोई भी रियायतें और अधिक रियायतें जो स्क्रीन पर स्पष्ट न हों लेकिन एक बयान में आती हैं, शायद बाजार की मदद करेंगी। मुझे लगता है कि अधिक रियायतें दी गई हैं। कुल मिलाकर अमेरिका-चीन संबंधों का यह नया अध्याय शायद कोई 'बड़ा सौदा' न हो। लेकिन, बाजारों और नीति निर्माताओं के लिए यह कुछ उतना ही मूल्यवान है। भारत के लिए मैसेज यह है कि घरेलू ताकत का निर्माण जारी रखें, वैश्विक व्यापारिक गठबंधनों में लचीलापन बनाए रखें और टकराव के बजाय बातचीत से परिभाषित हो रही दुनिया में लंबी अवधि के खेल के लिए तैयार रहें।

अपनी सांस्कृतिक पहचान को खंडित करता केरल

(एस. श्रीनिवासन)

उत्तर भारत में मुसलमानों के प्रति पूर्वाग्रह दिखाने के लिए जिस 'लव जेहाद' शब्द का इस्तेमाल वक्त-बेवक्त किया जाता है, उसका उपयोग अब केरल में भी होने लगा है, हालांकि यहां की कहानी में एक ट्विस्ट है। यहां यह शब्द सिर्फ हिंदू कट्टरपंथियों तक सीमित नहीं है, बल्कि ईसाइयों में भी समान रूप से प्रचलित है।

दरअसल, केरल में एक पखवाड़े के अंदर हुई दो अंतर-धार्मिक शादियों ने सोशल मीडिया व राजनेताओं को इसमें मशरूफ कर दिया है, जिसमें माकपा यही मान रही है कि भाजपा उसे निशाना बना रही है। पहले मामले में, शादी का निमंत्रण सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया, तो दूसरे मामले में पिता द्वारा रिश्ते का विरोध करना लोगों को नागवार गुजरा। इन मामलों में भाजपा ने भी जहां माकपा की धर्मनिरपेक्ष साख की खिल्ली उड़ाने में देर नहीं लगाई, तो वहीं मुस्लिम रूढ़िवादियों ने भी इस पार्टी पर यह बोलते हुए हमला किया कि वह अपने अंतर-धार्मिक विवाहों का ढोल तब पीटती है, जब दुल्हन मुस्लिम होती है और दूल्हा किसी अन्य धर्म का। इस तरह, वह धर्मनिरपेक्षता के नाम पर मुस्लिम महिलाओं को उनके अपने मजहब से दूर कर रही है।

इस धारणा को और बढ़ाने का काम कर रहे हैं कैथोलिक चर्च के रूढ़िवादी लोग और केरल की अनूठी जनसांख्यिकी। साल 2011 की जनगणना के मुताबिक, केरल में 54.7 प्रतिशत हिंदू आबादी है, जबकि 26.6 प्रतिशत मुस्लिम और 18.5 प्रतिशत ईसाई हैं। जाहिर है, भारत के शेष हिस्सों में अल्पसंख्यक कहे जाने वाले ये दोनों समुदाय केरल में अपनी अनूठी जनसांख्यिकी के कारण अलग

स्थिति में हैं। दोनों समुदायों की सत्ता में ठोस हिस्सेदारी है, और दोनों शिक्षा, स्वास्थ्य व जीवन प्रत्याशा में हुई वृद्धि से समान रूप से लाभान्वित होते हैं। केरल के मुस्लिम और ईसाई समुदाय वैश्विक रूप से भी जुड़े हुए हैं, जिससे राज्य की डॉलर अर्थव्यवस्था को बल मिलता है। गौरतलब है कि केरल में जन्म दर कई वर्षों से औसतन 1.6 रही है, तो प्रतिस्थापन दर 2.1 से काफी कम। हालांकि, राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रतिस्थापन दर 2.0 से नीचे आ गई है और कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय अध्ययन बता रहे हैं कि देश में जनसंख्या बेशक स्थिर हो गई है, पर कुछ समुदायों में जन्म दर बढ़ी है, जबकि कुछ में यह समय से पूर्व चरम पर पहुंच गई है। केरल के मामले में तो अध्ययन यह भी बताते हैं कि मुसलमानों में वृद्धि दर ईसाइयों की तुलना में अधिक है, पर विशेषज्ञों का मानना है कि समय बीतने के साथ उनकी जनसंख्या भी राष्ट्रीय स्तर के अनुरूप स्थिर हो जाएगी।

यहां जनसांख्यिकीय रुझानों से ज्यादा, पर्यवेक्षकों को कुछ स्थानीय मुस्लिम तबकों के वैश्विक कट्टरपंथी सोच से प्रभावित होने की चिंता सता रही है। दक्षिणपंथी ताकतें जहां इसका फायदा उठाने की कोशिश कर रही हैं, तो वहीं वामपंथियों और कांग्रेस के लिए इस स्थिति को संभालना मुश्किल हो रहा है। कुल मिलाकर, इन घटनाक्रमों का केरल की समग्र धर्मनिरपेक्ष व प्रगतिशील छवि पर नकारात्मक असर पड़ा है, खासकर जब दक्षिणपंथी जमातों ने अंतर-धार्मिक विवाह करने वाले जोड़ों को निशाना बनाकर 'लव जेहाद' का आरोप लगाया। इन घटनाक्रमों से चिंतित कई माता-पिता ने अपनी बेटियों को इन सबसे दूर करने के लिए उनकी शादी रोकने की कोशिशें कीं। कुछ मामलों में तो विशेष विवाह अधिनियम के तहत विवाह पंजीकृत न करा पाने के कारण कई जोड़ों ने पुलिस थाने में शरण ली। अंतिम उपाय के रूप में, उन्होंने अदालतों का दरवाजा भी खटखटाया है।

पहले केरल में अंतर-धार्मिक विवाह सामाजिक प्रतिष्ठा के विषय माने जाते थे और पार्टी कार्यकर्ता, उनके नेता व सभी राजनीतिक दलों के लोग ऐसे संबंधों को सहर्ष स्वीकार करते थे। राजनीतिक दलों, विशेषकर वामपंथियों का इसे समर्थन प्राप्त था और इसलिए अंतर-धार्मिक व अंतर-जातीय विवाह आम बात थी। लेकिन दक्षिणपंथी राजनीतिक विचारधारा के उभार के बाद स्थिति धीरे-धीरे बदलने लगी है। आस्था और परंपराओं के बढ़ते प्रभाव के साथ, हिंदू, मुस्लिम और ईसाई समुदायों के रूढ़िवादी लोग केंद्र में आने लगे हैं। इन सबके कारण राज्य की वह सांस्कृतिक छवि अब धूमिल पड़ने लगी है, जो कभी इसकी पहचान हुआ करती थी। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)(ये लेखक के अपने विचार हैं)

वर्ग पहेली 5900

1	2	3	■	■	4	5	6
			8	■	9		
10		■		■	11		
12		■	13	14		■	■
	■	15	■		■	16	
■	■	17			18		■
19	20		■	21		■	22
23				■	24		

संकेतः बाएं से दाएं
1. विश्व में सर्वाधिक सहकारी संस्थाऐं इस देश में है (3)
4. सम्राट अशोक के समय जनपदीय न्यायालय के न्यायाधीश को यह कहा जाता है (3)
7. झूमते या इतराते हुए चलना)(4)
9. गृह, पता निर्देश, भवन (3)
10. वचन, वाचा, सूक्ति, कौल (2)
11. प्रेमकर्ता, प्रेमी, लहर, पेंग (3)
12. अधिकार, स्वाामित्व, इख्तियार (2)
13. मुस्लिम की ईश प्रार्थना (3)
16. यह सूर्य से दूसरा ग्रह है इस ग्रह का नामकरण प्रेम और सौंदर्य की रोमन देवी पर हुआ था (2)
17. शुक्राचार्य का एक नाम ये दानवों के गुरू माने जाने के कारण यह नाम पडा (4)
19. झापड़, थप्पड़ (3)
21. किनारा, तट, कूल (2)
23. फहराना, संचालित होना (4)
24. घोर ध्वनि करना, जोर से बजाना, घनकना (3)

ऊपर से नीचे
1. भार या बोझा ढोने वाला (5)
2. मनोहर, प्रिय, जो देखने में सुंदर लगे (4)
3. दो स्थानों की दूरी तय करने में लगी विभक्ति (2)
4. एक प्रकार की पीली मिट्टी जिसे हिंदु धर्म के लोग पवित्र मानते है (4)
5. नजला, सर्दी, नासिका मल, शीत (3)
6. धतूरा, स्वर्ण, चंपा, पलाश (3)
8. नासमझ, मूर्ख, अनुभवहीन, सरल (3)
14. उ.प्र. की पूर्व महिला मुख्यमंत्री (4)
15. नैतिक या अच्छा आचरण (4)
16. प्रारंभ, आरंभ, आगाज(2)
18. दास, सेवक, अनुचर, जासूस को यह भी कहते है (3)
19. पेंदा, नीचे की सतह (2)
20. तीस दिनों का समय, मास, महीना (2)
22. गीत प्रस्तुत करने की क्रिया, अनुलाप करना, आलापना, गायन (4)

वर्ग पहेली 5899 का हल

म	हा	शि	व	रा	त्रि	■	नो
ह	ल	क	■	ज	ज	में	ट
ल	■	वा	यु	■	टा	■	■
■	म	■	वा	र	■	दी	दी
आ	ला	प	■	प	ह	न	ना
स	■	ट	म	ट	म	■	पा
पा	र	स	■	ना	रा	■	ठ
स	मा	न	ता	■	ज	ब	क

अब उसकी गाड़ी पटरी पर लौट आई

(भोले यादव)

महागठबंधन की गांठें कितनी मजबूत हैं, इसका पता इसी से चलता है कि तमाम उठापटक के बावजूद सभी दल एक हैं और मिल-जुलकर चुनाव लड़ रहे हैं। देर से ही सही, लेकिन तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करना सुखद रहा, जिससे महागठबंधन अब बीस साबित होने लगा है। ऊपर से, मुकेश सहनी को उप-मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करके एनडीए का रहा-सहा जातिगत समीकरण भी ध्वस्त कर दिया गया है। ऐसा इसलिए, क्योंकि राजग का बड़ा मतदाता-वर्ग वही अति-पिछड़ा है, जिसका प्रतिनिधित्व मुकेश सहनी करते हैं। यानी, एनडीए के पारंपरिक वोट-आधार पर सेंध लगाने की पूरी तैयारी महागठबंधन ने कर ली है।महागठबंधन को इसलिए भी जीत का दावेदार बताया जा रहा है, क्योंकि पिछले विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन को करीब 37 प्रतिशत मत हासिल हुआ था और वह 0.03 प्रतिशत मत से ही सत्ता से दूर रहा था। जबकि, पिछली बार मुकेश सहनी राजग का हिस्सा थे। जाहिर है, राजद के पारंपरिक मुस्लिम और यादव समीकरण के साथ जब मुकेश सहनी का अति पिछड़ा वर्ग महागठबंधन के साथ आएगा, तो उसकी जीत की उम्मीद ही अधिक होगी। यही कारण है कि राजग के नेतागण लालू राज के दिनों की याद मतदाताओं को दिलाने लगे हैं। उनको यह डर दिखाने लगे हैं कि यदि तेजस्वी सत्ता में आते हैं, तो बिहार में व्यवस्थाएं फिर बिगड़ जाएंगी और राज्य अराजकता के भंवर में फंस जाएगा। जबकि, असलियत में ऐसा हो सकेगा, इस पर संदेह है। ऐसा इसलिए, क्योंकि राजद और जद (यू) ने जब मिलकर पिछली बार सरकार बनाई थी, तो यह तेजस्वी यादव ही थे, जिन्होंने लाखों युवाओं को रोजगार दिया था।

यही कारण है कि इस बार, जब उन्होंने हर घर में एक सरकारी नौकरी (जिस घर में नहीं है वहां) देने का वायदा किया, तो नौजवान उनकी बातों पर भरोसा कर रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि जब जद (यू) की मदद पर तेजस्वी यादव ने इतने नौजवानों को नौकरी दी, तो जब खुद अपनी सरकार बनाएंगे, तब निस्संदेह खूब रोजगार बांटेंगे।

रही बात कांग्रेस की, तो राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है। दोनों के निजी रिश्ते राजनीतिक दांव-पेच से काफी ऊपर हैं। यह संबंध भी बिहारवासियों को खूब भा रहा है, इसलिए राहुल गांधी जब वोटर अधिकार यात्रा पर निकले थे, तब तेजस्वी के साथ उनकी तस्वीरें खूब वायरल हुई थीं। साफ है, इस बार बिहार की बाजी महागठबंधन के हाथों में ही रहने की उम्मीद है। अगर ऐसा होता है, तो इसमें राजग के लिए सबक के बीज भी छिपे होंगे। (यह लेखक के अपने विचार है)

आज का राशिफल

मेष
आज फिजूल के खर्चे से बचना होगा। किसी व्यक्ति, बैंक या संस्था से ऋष्टा सोच समझकर लें। पुराने मित्रों का सहयोग मिलेगा और अच्छे मित्र भी बढ़ेंगे। आज पत्नी पक्ष से उत्तम सहयोग प्राप्त हो सकता है। रात्रि का समय परिवारजनों के साथ आमोद प्रमोद में बीतेगा।

वृष
आज के दिन बहुत व्यस्तता भरा रहने वाला है। आज ज्यादा भागदौड़ वाले कार्यों को करते समय सावधानी बरतें। पैर में चोट लगने की आशंका नजर आ रही है। आपकी निर्णय लेने की क्षमताओं के कारण आपको आज लाभ मिल सकता है। आज रुके हुए कार्यों की पूर्ति होगी।

मिथुन
किसी शारीरिक रोग से पीड़ित हैं तो आज के दिन आपके कष्टों में वृद्धि हो सकती है। आज आपके सामाजिक कार्यों में किसी प्रकार का व्यवधान दिख रहा है। हालांकि इस दौरान कुछ अकस्मात लाभ होने से आपकी धर्म, अध्यात्म के प्रति रुचि बढ़ेगी। संतान पक्ष से हर्षवर्धक समाचार मिलेगा।

कर्क
आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आपके परिश्रम का अच्छा फल मिलेगा। संतान के प्रति आपका विश्वास और अधिक मजबूत होगा। आज ननिहाल पक्ष से प्रेम एवं विशेष सहयोग मिलने की संभावना है। आप अपनी शान शौकत के लिए धन खर्च करेंगे जिससे आपके शत्रु परेशान होंगे।

सिंह
आज मानसिक अशान्ति, खिन्नता एवं उदासीनता के कारण आप भटक सकते हैं। माता-पिता के सहयोग और आशीर्वाद से दिन के उत्तरार्ध में राहत मिलेगी। ससुराल पक्ष से आज नाराजगी के संकेत मिलेंगे। मधुर वाणी का प्रयोग करें अन्यथा सम्बन्धों में कटुता आ जाएगी। यदि नेत्रों से संबंधित कोई कष्ट है तो उसमें सुधार होता दिख रहा है।

कन्या
आज आप में निर्भीकता का भाव रहेगा तथा साहसपूर्वक अपने कठिन कार्यों को सम्पन्न करने में सक्षम रहेंगे। आपको अपने माता-पिता का सुख सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी को शारीरिक कष्ट से कुछ आपको परेशानी हो सकती है। इस दौरान फालतू के खर्चों का योग भी बनता हुआ दिख रहा है।

तुला
आज का दिन आपके लिए शुभ फलकारक रहने वाला है। आपके अधिकार व संपत्ति में वृद्धि होगी। आप दूसरों के भले की सोचेंगे एवं दिल से सेवा भी करेंगे। नवम आय भाव में बृहस्पति मिथुन राशि का होकर विराजमान है अतः आज आप अपने गुरु के प्रति पूर्ण भक्ति भाव व निष्ठा रखें। आज नए कार्यों में इनवेस्ट करना आपके लिए शुभ रहेगा।

वृश्चिक
आज आपका मन अशांत एवं परेशान रहने वाला है। व्यापार वृद्धि के लिए किए गए प्रयास निष्फल हो सकते हैं। सायंकाल तक आप अपने धैर्य तथा प्रतिभा से शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे। राज्य में जुड़े किसी प्रकार के वाद विवाद में सफलता मिलने की पूर्ण संभावना है।

धनु
आज आपकी विद्या, बुद्धि, ज्ञान की वृद्धि होगी। आपके अंदर दान पुण्य एवं परोपकार की भावना विकसित होगी। आप धार्मिक अनुष्ठानों में रुचि लेकर पूर्ण सहयोग करेंगे। भाग्य की ओर से भी आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। विकार के उभरने की संभावना है। ऐसे में सावधान रहें तथा खान पान पर सयंम बरतें।

मकर
आज आपको बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति होगी। इस दौरान कुछ ऐसे अनावश्यक खर्चे भी सामने आएंगे जो कि न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे। ससुराल पक्ष से मान सम्मान मिलेगा। अपने व्यवसाय में भी आपका मन लगेगा एवं रुके हुए कार्य पूर्ण हो जाएंगे। किसी नए कार्य में इनवेस्ट करना भविष्य में आपको लाभ देगा।

कुंभ
आज का दिन बुद्धि विवेक से नई-नई खोज करने में व्यतीत होगा। आप सीमित एवं आवश्यकतानुसार ही व्यय करें। आपको अपने परिवार के लोगों से विश्वासघात होने की संभावना है। सांसारिक सुख भोग, नौकर चाकरों का सुख पूर्ण रूप से मिलेगा। सायंकाल से लेकर रात्रि तक समीप की यात्रा भी हो सकती है, जो लाभकारी रहेगी।

मीन
आज चतुर्थ भाव में मिथुन राशि का बृहस्पति होने के कारण बहुत समय से लटका हुआ पुत्र या पुत्री से संबंधित किसी विवाद का हल निकल आएगा। खुशमिजाज व्यक्तित्व होने के कारण अन्य व्यक्ति आपसे सम्बन्ध बनाने की चेष्टा करेंगे। सामाजिक सम्मान मिलने से आपका मनोबल बढ़ा रहेगा। रात्रि में प्रियजनों व परिजनों से हास्य विनोद रहेगा।

उत्सव सीज़ेड गोल्ड का मुनाफा 197% उछला

मुंबई, एजेंसी। उत्सव सीज़ेड गोल्ड ज्वेल्स लिमिटेड (एनएसई कोड: यूटीएसएसएवी), 18के, 20के और 22के सीज़ेड गोल्ड, सादा सोना, तथा गोल्ड और डायमंड ज्वेलरी के प्रमुख निर्माता, ने एच1 एफवाय26 के अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। उत्सव सीज़ेड गोल्ड ज्वेल्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार जगावत ने कहा, हमें खुशी है कि एच1 एफवाय26 में कंपनी ने शानदार प्रदर्शन किया है। हमारी आय में साल-दर-साल 67 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है, जो घरेलू और निर्यात दोनों बाज़ारों में मज़बूत मांग और 25 प्रतिशत वॉल्यूम ग्रोथ से प्रेरित है। डिज़ाइन नवाचार, उत्पाद विविधीकरण और परिचालन दक्षता पर निरंतर ध्यान ने हमारी लाभप्रदता में उल्लेखनीय सुधार किया है। त्योहारी सीज़न और वर्ष के दूसरे हिस्से में प्रवेश करते हुए, हम इसी गति को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं — अपने डिज़ाइन नवाचार को और मज़बूत करने, ग्राहक आधार को बढ़ाने और नवाचार व अनुशासित निष्पादन के माध्यम से सतत विकास हासिल करने के लिए।

हंगामा ओटीटी ने अपनी नई ओरिजिनल एंथॉलॉजी सीरीज़ 'डर्टी स्कैम्स' लॉन्च की

मुंबई, एजेंसी। देश के प्रमुख डिजिटल एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स में से एक हंगामा ओटीटी ने अपनी नई ओरिजिनल एंथॉलॉजी सीरीज़ 'डर्टी स्कैम्स' लॉन्च की है। यह सस्पेंस और क्राइम से भरी सीरीज़ पाँच अलग-अलग कहानियों पर आधारित है - इश्क पार्लर, आश्रम, शगुन में धोखा, दीमक और राइट स्वाइप। हर कहानी में एक अलग महिला है, जो पूरी योजना और समझदारी के साथ बड़ा कॉन करती है। हर स्कैम में उसकी चालाकी, हिम्मत और दिमाग का कमाल दिखता है। सीरीज़ की कहानी तेज़, अभिनय दमदार और टोन बिंदास है। यह सीरीज़ चाहत, छल और महत्वाकांक्षा जैसे विषयों को दिलचस्प तरीके से पेश करती है। 'डर्टी स्कैम्स' में पवित्रा पुनिया, पूजा बनर्जी, अलीशा पंवार, इशिता गांगुली, दिपंकना दास, रुषद राणा, इमरान नज़ीर खान, अंकित राज और अक्षया शेट्टी जैसे कलाकार नज़र आएंगे।सीरीज़ का पहला भाग 30 अक्टूबर को रिलीज़ होगा, जिसमें इश्क पार्लर और आश्रम एपिसोड शामिल हैं। सके बाद 6 नवंबर को शगुन में धोखा और दीमक, और आख़िरी कहानी राइट स्वाइप 13 नवंबर से स्ट्रीम होगी। दिमाग, चाल और थ्रिल का ये मेल बताता है कि हर स्कैम के पीछे एक ऐसी कहानी होती है जिसे देखना ज़ेदार होता है।लॉन्च पर हंगामा डिजिटल मीडिया के सीईओ सिद्धार्थ रॉय ने कहा, 'डर्टी स्कैम्स' के ज़रिए हम ऐसी कहानियाँ दिखाना चाहते हैं जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करें कि सही क्या है, गलत क्या।

नवंबर के महीने में 12 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल अक्टूबर के महीने में दशहरा, धनतेरस, दिवाली जैसे बड़े त्योहार थे। जिसकी वजह से अक्टूबर के महीने में कई लम्बी छुट्टियां देखने को मिली। लेकिन नवंबर के महीने में सिर्फ एक ही ऐसा त्योहार है जब देश भर के बैंक बंद रहेंगे। शादियों के इस सीजन में लोगों को बैंक में काम भी अधिक रहता है। आइए जानते हैं कि अक्टूबर के महीने में कब-कब बैंक बंद रहेंगे। 1 नवंबर 2025 - बेंगलुरू और देहरादून में इस दिन छुट्टी रहेगी। कन्नड़ राज्योत्सव और ईगास के त्योहार की वजह से इस दिन बैंक में छुट्टी है। 5 नवंबर 2025 - गुरुनानक जयंती, कार्तिक पूर्णिमा की वजह से देश के अलग-अलग शहरों में आज छुट्टी रहेगी। ऐजवाल, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, देहरादून, हैदराबाद, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोहिमा, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, रायपुर, रांची, शिमला, श्रीनगर में बैंक में छुट्टी रहेगी। 6 नवंबर 2025 - पटना और शिलॉन्ग में इस दिन बैंक कर्मियों की छुट्टी रहेगी। नॉनग्रेम त्योहार, बिहार विधानसभा चुनाव में इस दिन छुट्टी रहेगी।

श्रीजी ग्लोबल एफएमसीजी लिमिटेड का आईपीओ खुलेगा 4 नवंबर को

मुंबई, एजेंसी। श्रीजी ग्लोबल एफएमसीजी लिमिटेड (कंपनी, श्रीजी) मसाले, बीज, अनाज, दालें और आटा (मैदा) के उत्पादन और प्रसंस्करण में संलग्न है, और 4 नवंबर, 2025, मंगलवार को अपना इनिशिअल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) खोलने जा रही है, जिसका उद्देश्य 85 करोड़ (ऊपरी मूल्य बैंड पर) जुटाना है। इसके शेयरों को एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर सूचीबद्ध किया जाएगा। इस इश्यू का आकार 10 प्रति शेयर के अंकित मूल्य वाले 68,00,000 इक्विटी शेयरों का है, जिनका मूल्य बैंड 120 - 125 प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। आईपीओ से प्राप्त शुद्ध राशि का उपयोग फैक्ट्री परिसर पर पूंजीगत व्यय, संयंत्र और मशीनरी तथा कोल्ड स्टोरेज पर पूंजीगत व्यय, आंतरिक उपयोग के लिए सौर ऊर्जा पर पूंजीगत व्यय, कार्यशील पूंजी और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। एंकर पोर्शन 3 नवंबर, 2025 को खुलेगा और इश्यू 7 नवंबर, 2025 को बंद होगा। इस इश्यू के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर इंटरएक्टिव फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड है, और इस इश्यू के लिए रजिस्ट्रार एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड है। श्रीजी ग्लोबल एफएमसीजी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री जितेंद्र कक्कड़ ने कहा, यह आईपीओ कंपनी की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। जो भारतीय एफएमसीजी क्षेत्र में अग्रणी खिलाड़ियों में से एक बनने की दिशा में हमारा कदम है।

जलवायु परिवर्तन: निवेश से 50 लाख रोजगार सृजित कर सकता है भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के मोर्चे पर निवेश कर भारत 2030 तक 50 लाख से अधिक रोजगार का सृजन कर सकता है। इससे न सिर्फ ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन में कमी लाने में मदद मिलेगी, बल्कि कम कार्बन वाली टिकाऊ जीडीपी बनाने में भी मदद मिलेगी।

डेलॉय इंडिया एवं रेनमैटर फाउंडेशन की ओर से शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि बारिश, तापमान, भूमि उपयोग और जैव विविधता में परिवर्तन प्राकृतिक संसाधनों को कमजोर करने के साथ जटिलता बढ़ा रहे हैं। ऐसे में भारत को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के निपटने और रोजगार सृजन के लिए 2030 तक 1.50 लाख करोड़ डॉलर का निवेश करना होगा। यह निवेश विनिर्माण, भंडारण, परिचालन-रखरखाव, ग्रीन मेटेरियल्स और लॉजिस्टिक क्षेत्र में बड़ी संख्या मे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। साथ ही, इस निवेश से घरेलू जीडीपी में हर साल 3.5 से 4 लाख करोड़ डॉलर का उत्पादन बढ़ सकता है, जिससे भारत अधिक समावेशी और जलवायु प्रतिरोधी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए एक व्यवस्थित परिवर्तन की आवश्यकता है। विभिन्न स्तर पर चल रही अलग-अलग पहलों से आगे बढ़कर एक साझा मिशन तैयार करना होगा, जो निर्माण, निवेश और नवाचार के तरीकों को नया स्वरूप दे। इसमें सरकार, नीति निर्माताओं, कॉरपोरेट्स, नागरिक समूहों एवं नगर नियोजकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्हें जलवायु परिवर्तन के एजेंडे पर साथ मिलकर काम करना होगा, ताकि लचीली आजीविका, प्रतिस्पर्धी उद्योग और भविष्य के लिए नौकरियां पैदा हो सकें। डेलॉय के 2025 नागरिक जलवायु सर्वे के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन भारत में दैनिक जीवन को तेजी से प्रभावित कर रहा है। 86 फीसदी लोगों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण उन्हें विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, एक-तिहाई लोगों के स्वास्थ्य और आजीविका पर असर पड़ रहा है।

जेट ईंधन की कीमतों में एक फीसदी की बढ़ोतरी

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर हुआ पांच रुपये सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) यानी जेट ईंधन की कीमतों में शनिवार को करीब एक प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई। वहीं कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम पांच रुपये प्रति सिलेंडर घटाए गए। यह बदलाव अंतरराष्ट्रीय बाजार के दामों के अनुरूप मासिक समीक्षा के तहत किया गया है। सरकारी तेल विपणन कंपनियों के अनुसार, राजधानी दिल्ली में एटीएफ का दाम अब 777 रुपये प्रति किलोलीटर या 0.8 प्रतिशत बढ़कर 94,543.02 प्रति किलोलीटर हो गया है। यह लगातार दूसरा महीना है जब जेट ईंधन के दाम बढ़ाए गए हैं। पिछले महीने यानी 1 अक्तूबर को एटीएफ की कीमतों में 3,052.5 रुपये प्रति किलोलीटर या 3.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। उससे पहले सितंबर में इसमें 1.4 प्रतिशत या 1,308.41 प्रति किलोलीटर की कटौती की गई थी। मूल्य वृद्धि से वाणिज्यिक एयरलाइनों पर बोझ बढ़ेगा, जिनके परिचालन लागत में ईंधन का हिस्सा लगभग 40 प्रतिशत होता है। मुंबई में एटीएफ की कीमत 87,714.39 रुपये प्रति किलोलीटर से बढ़ाकर 88,44.87 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई, जबकि चेन्नई और कोलकाता में इसकी कीमत क्रमश- 98,089.68 रुपये और 97,549.18 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई। वैट जैसे स्थानीय करों के प्रभाव के आधार पर दरें शहर-दर-शहर भिन्न होती हैं।

बिना पैसा लगाए करोड़पति... कॉर्पोरेट की नौकरी छोड़ने के बाद किया काम

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी शिशिर कुमार जेना की है। उन्होंने सुरक्षित कॉर्पोरेट करियर को छोड़कर कला और शिल्प के प्रति अपने जुनून को सफल उद्यम में बदल दिया। ओडिशा के मयूरभंज जिले के रहने वाले शिशिर बचपन से ही अपने शिक्षक पिता को कैनवास पर पेंटिंग करते देखते थे। उन्होंने पट्टचित्र (ओडिशा की पारंपरिक पेंटिंग) की ट्रेनिंग भी ली। लेकिन, फॉर्मल एजुकेशन के कारण यह पीछे रही। उन्होंने केमिस्ट्री में ऑनर्स और 2008 में एमबीए की डिग्री पूरी की। मुंबई में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल और इंडसइंड बैंक में असिस्टेंट मैनेजर की नौकरी करने के बावजूद शिशिर हमेशा बेचैन रहते थे। 2012 में उन्होंने अपनी अच्छी-खासी नौकरी छोड़कर पैतृक गांव लौटने का फैसला किया। वहां उन्होंने आर्ट गोदाम नाम के एक वेंचर की शुरुआत की। इसका उद्देश्य पारंपरिक कलाओं को मॉनेटाइज करना और कारीगरों को स्टेबल इनकम प्रदान करना था। उनका यह आइडिया हिट साबित हुआ। जिस वेंचर को उन्होंने बिना किसी पूंजी के शुरू किया, वही आज छप्परफाड़ कमाई का जरिया बन

गया है। आइए, यहां शिशिर कुमार जेना की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

कॉर्पोरेट करियर से कला की ओर वापसी

शिशिर कुमार जेना ने अपने शिक्षक पिता कुशनाथ जेना से प्रेरणा लेते हुए कला के प्रति अपना झुकाव विकसित किया। गुरु कलामणि रवींद्रनाथ साहू से पारंपरिक पट्टचित्र की ट्रेनिंग ली। कला में रुचि होने के बावजूद उन्होंने शिक्षा को प्राथमिकता दी। केमिस्ट्री में ऑनर्स के बाद 2008 में एमबीए किया। इसके बाद उन्होंने मुंबई में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल और फिर इंडसइंड बैंक में असिस्टेंट मैनेजर के रूप में दो साल काम किया। हालांकि, कॉर्पोरेट जीवन में उन्हें बेचैनी महसूस हुई। 2012 में उन्होंने अपनी नौकरी छोड़कर कला और शिल्प के जुनून को उद्यमशीलता में बदलने का फैसला किया। वह अपने गांव बाउलखालाडी (मयूरभंज) लौट आए। वहीं, उन्होंने आर्ट गोदाम की शुरुआत की।

इसमें उन्होंने प्लास्टिक की बोतलों, नारियल के खोल और कागज जैसे कबाड़ का इस्तेमाल करके सजावटी सामान और कलाकृतियां बनाना शुरू किया। शुरुआती एक साल तक उन्हें खरीदार खोजने में संघर्ष करना पड़ा। हालांकि, 2013 में उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने काम को पोस्ट करना शुरू किया। इसके बाद उनके हाथ से बने पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को ग्राहकों ने खूब पसंद किया। 2014-15 में उनका टर्नओवर 4 लाख रुपये तक पहुंच गया। फिर उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। आज आर्ट गोदाम का सालाना टर्नओवर लगभग 50 लाख रुपये है। शिशिर ने बैंक लोन की मदद से फ्रेमिंग और प्रिंटिंग यूनिट जैसे विभिन्न सेगमेंट स्थापित किए हैं।

कला और कारीगरों को मिल रहा समर्थन

शिशिर कुमार जेना के वेंचर का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों को लगातार आय प्रदान करके कला और शिल्प रूपों का मॉनेटाइजेशन करना है।

औद्योगिक विकास को गति देने के लिए इंडिया प्रोजेक्ट सपोर्ट प्रोग्राम शुरू करेगा

नई दिल्ली , एजेंसी। भारी उत्सर्जन वाले उद्योग क्षेत्रों के डीकार्बोनाइजेशन में तेजी लाने के लिए ष्टह्रक्क28 में शुरू की गई एक वैश्विक बहु-हितधारक पहल इंडस्ट्रियल ट्रांजिशन एक्सेलेरेटर 4 नवंबर 2025 को नई दिल्ली में एक उच्च-स्तरीय कार्यक्रम में इंडिया प्रोजेक्ट सपोर्ट प्रोग्राम लॉन्च करेगा और एक विशेष रिपोर्ट भारत अंतर्दृष्टि ब्रीफिंग जारी करेगा।

इंडस्ट्रियल ट्रांजिशन एक्सेलेरेटर का यह कार्यक्रम, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के साथ पहले किए गए सहयोग पर आधारित है। अब यह क्रियान्वयन चरण में प्रवेश कर रहा है, जहाँ लक्ष्य होगा ङ्क ऐसे समाधान देना, जो प्रमुख बाधाओं को दूर करके शून्य-उत्सर्जन वाली बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं को तेजी से फाइनल इन्वेस्टमेंट डिसीजन तक पहुँचा सकें। इसमें सरकारी एजेंसियों, उद्योग जगत, वित्तीय संस्थानों और साझेदार संगठनों की सक्रिय भागीदारी होगी। इंडस्ट्रियल ट्रांजिशन एक्सेलेरेटर का उद्देश्य वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को ऐसे औद्योगिक कदमों में बदलना है जिनमें निवेश किया जा सके। यह वित्त, नीतियों और उद्योग साझेदारी के माध्यम से कम-कार्बन तकनीकों को बड़े पैमाने पर लागू करने की दिशा में काम करता है। भारत, ब्राज़ील और मध्य पूर्व-उत्तरी अफ्रीका जैसे देशों में अपने कार्यक्रमों के ज़रिए आइटीए परियोजनाओं को फाइनल इन्वेस्टमेंट डिसीजन तक पहुँचाने, साझा अवसंरचना बनाने और उच्च-उत्सर्जन वाले क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धा बढ़ाने पर ध्यान देता है। 4 नवंबर को होने वाले कार्यक्रम में आईटीए और बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप संयुक्त रूप से रिपोर्ट जारी करेंगे –इंडिया इनसाइट्स ब्रीफिंग- भारत के स्वच्छ औद्योगीकरण के अवसर को खोलना – जिसमें यह बताया जाएगा कि स्वच्छ औद्योगिक विकास कैसे निवेश आकर्षित कर सकता है, यह भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को कैसे बढ़ा सकता है, और कैसे देश को उभरती हुई स्वच्छ अर्थव्यवस्था में अग्रणी बना सकता है। यह रिपोर्ट निवेश में आने वाली प्रमुख बाधाओं की पहचान करेगी और बड़े पैमाने पर औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन के लिए व्यावहारिक रास्ते सुझाएगी। एफआईडी में लाने में मदद करना चाहता है। अपने प्रारंभिक विश्लेषण के हिस्से के रूप में, आईटीए ने एल्युमीनियम, स्टील, सीमेंट, रसायन (अमोनिया और मेथनॉल) और विमानन जैसे क्षेत्रों में 65 से अधिक संभावित परियोजनाओं की पहचान की है।

एक तेल पर बैन तो दूसरे तेल ने बना दिया रेकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल को लेकर अमेरिका और रूस के बीच जंग छिड़ी हुई है। यह बात कच्चे तेल की है। अमेरिका ने रूस की दो बड़ी ऑइल कंपनियों पर बैन लगा दिया है। भारत जो रूस का दूसरा सबसे बड़ा तेल निर्यातक था, उस पर भी असर दिखाई दिया है। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस को कहां-कहां रोकेंगे। कच्चे तेल पर बात आई तो रूस ने सूरजमुखी तेल को लेकर नया रेकॉर्ड बना दिया। बता दें कि रूस से भारत में सूरजमुखी तेल का आयात पिछले चार सालों में बारह गुना बढ़ गया है। अब रूस भारत का सबसे बड़ा सूरजमुखी तेल सप्लायर बन गया है, जिसने यूक्रेन को पीछे छोड़ दिया है।

यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन का सूरजमुखी तेल ज्यादातर यूरोप जाने लगा है। वहीं, रूस के पास बंदरगाहों तक आसान और पक्की पहुंच होने के कारण वह भारत के लिए एक भरोसेमंद सप्लायर बन गया है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि रूस और भारत के उद्योग प्रतिनिधियों ने हाल ही में एक-दूसरे के देशों का दौरा किया है ताकि सप्लाई चेन को और मजबूत किया जा सके। सूरजमुखी तेल भारत में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले तीन खाने के तेलों में से एक है। भारत में जितना सूरजमुखी तेल इस्तेमाल होता है, उसका सिर्फ 5 प्रतिशत ही देश में बनता है। पतंजलि फूड्स के सीईओ और सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (स्श्व) के अध्यक्ष संजीव अस्थाना ने कहा कि रूस दुनिया में सूरजमुखी तेल का सबसे बड़ा और सबसे भरोसेमंद स्रोत है। हमें सप्लाई चेन की विश्वसनीयता का फायदा मिलता है।

सोना बेकाबू...24 घंटे के भीतर लगा दी लंबी छलांग

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमतों में 2,200 रुपये का भारी उछाल आया। इससे 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,25,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी। इसके अनुसार, यह तेजी थोक खरीदारों और आभूषण विक्रेताओं की नई खरीदारी के कारण देखी गई। इससे पहले गुरुवार को सोना 1,23,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

इसी तरह 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने के दाम भी 2,200 रुपये बढ़कर 1,25,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गए। जबकि पिछले कारोबारी दिन यह 1,22,800 रुपये प्रति 10 ग्राम था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ जिंस विश्लेषक सुमिल गांधी ने इस तेजी का मुख्य कारण डॉलर के मुकाबले रुपये में आई कमजोरी को बताया।

हालांकि, इस दौरान चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। चांदी के भाव 2,000 रुपये घटकर 1,53,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गए, जो पिछले सत्र में 1,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुए थे।

सुमिल गांधी ने आगे कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक के सकारात्मक माहौल में समाप्त होने के बावजूद दोनों बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच लंबी अवधि की प्रतिस्पर्धा को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। इस अनिश्चितता के कारण सोने में सुरक्षित निवेश की मांग फिर से बढ़ गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो हाजिर सोना 0.52 प्रतिशत गिरकर 4,003.49 डॉलर प्रति औंस पर रहा। वहीं, चांदी में मामूली बढ़त देखी गई और यह 48.97 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा

वरिष्ठ मंडल अभियंता–समन्वय/अम्बाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई–निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु खुली निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जो कि उन कार्यों के सामने दी गई तिथि को 15:00 बजे तक खुली रहेगी और उसके बाद खोली जाएगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (₹)	अग्रिम राशि (₹)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
1.	एसएसई/डब्ल्यू/एल/पीटीए के खंड में एनबीए में नए माल कार्यालय, ट्रैक मशीन रेस्ट हाउस के स्टेजिंग और ग्रिल के साथ जलापूर्ति की मरम्मत, पीडब्ल्यूआई कॉलोनी में जलापूर्ति पाइपलाइन की मरम्मत और एसएसई/डब्ल्यू/डीयूआई के खंड में रेलवे कॉलोनी में मौजूदा पंपहाउस और आरसीसी ओएच टैंक के लिए नए पंपहाउस और नए आरसीसी ओएच टैंक का कनेक्शन करना और डीयूआई–जेएचएल खंड और जेपीएस यूकेएन, डीएनएक्स पर सीजेएल, एलएचए, जीआरएन में जंग लगी और टूटी हुई मौजूदा पुरानी पाइपलाइनों और टूटे हुए पीवीसी टैंकों की मरम्मत करना और एडीईएन/पीटीए के तहत एसएसई/डब्लयू/एसएजी के खंड में जेएचएल–एचएसआर खंड पर यूकेएन में जीआरएन, डीएनएक्स, आरपीएचआर और प्रेशर फिल्टर प्लांट में फिल्टर प्लांट और एएमसी के सामान्य संचालन के लिए यूकेएन डिग्गी पर ओपन वेल पंप के बजाय सबमर्सिबल पंप की व्यवस्था करना।	₹45,54,609/-	₹91,100/-	06 महीने	25.11.2025
2.	एडीईएन/ट्रैक/यूएमबी के अधीन सरहिंद–दौलतपुर सेक्शन पर घनौली स्थित गिट्टी डिपो में बीजी ट्रैक के लिए 50000 घन मीटर 65 मिमी गेज मशीन से कुचले हुए पत्थर की गिट्टी की आपूर्ति, जिसे रेल से चलने वाले ट्रकों/बीओबी में विधिवत रूप से स्टैक करके लोड किया जाएगा।	₹5,61,34,500/-	₹4,30,700/-	08 महीने	25.11.2025
3.	(i) एडीईएन/पीटीए के अधीन एलडीएच–डीयूआई खंड पर एएचएच–केयूपी के बीच किमी 28/1–2 पर पुल संख्या 71 (3x8.54 मीटर, 2x3.35 मीटर) के स्टील गर्डरों को पीएससी स्लैब के साथ बदलने के लिए संरचनात्मक ड्राइंग की आपूर्ति के साथ पुल उप–संरचना की जैकेटिंग। (ii) एडीईएन/पीटीए के अधीन जेएचएल–एचएसआर खंड पर जेपीएस–यूकेएन के बीच किमी 21.773 पर पुल संख्या 19–ए (5x6.10 मीटर) के स्टील गर्डरों को पीएससी स्लैब के साथ बदलने के लिए संरचनात्मक ड्राइंग की आपूर्ति के साथ पुल उप–संरचना की जैकेटिंग।	₹1,24,39,619 /-	₹2,12,200/-	08 महीने	25.11.2025

नोटः 1) ठेकेदार को शर्तों के अनुसार निविदा योग्यता पूरी करने हेतु सभी जरूरी संबंधित डॉक्यूमेंटों के स्कैनिंग कॉपी को रेलवे वेबसाइट IREPS पर अपलोड करनी जरूरी है। **2)** अग्रिम राशि ऑनलाइन पेमेंट नेट बैंकिंग/गेटवे पेमेंट के द्वारा की स्वीकार्य होंगे। **3)** निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे वेबसाइ ट **www.ireps.gov.in** पर लॉग ऑन करें। **4)** ठेकेदार को ई–निविदा में भागीदारी हेतु (क्लास–III) डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट द्वारा लॉग ऑन करना होगा। **5.** जी.एस.टी. एक्ट 2017 के अनुसार लागू होगी।

खुली निविदा संख्या 39–अम्बाला/2025–26 दिनांकः 31.10.2025 3403/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हम अपने कर्मचारियों को महत्त्व देते है।
हम अपने पेंशनभोगियों का ध्यान रखते हैं।

उत्तर रेलवे
अम्बाला मंडल

द्वारा

1 नवंबर से 30 नवंबर 2025 तक

राष्ट्रव्यापी डिजीटल जीवन प्रमाण–प्रत्र अभियान 4.0

का आयोजन
निम्नलिखित स्टेशनों पर किया जा रहा है।

1.	अंबाला मंडल	रेल प्रबंधक कार्यालय, कमेटी हॉल।	06.11.2025
2.	चण्डीगढ़	रेलवे हेल्प यूनिट, हित निरीक्षक कक्ष।	07.11.2025
3.	बठिण्डा	मुख्य हित निरीक्षक कक्ष, रेलवे स्टेशन बठिण्डा।	21.11.2025
4.	धूरी	स्टेशन अधीक्षक कार्यालय।	04.11.2025
5.	कालका	स्टेशन अधीक्षक कार्यालय।	18.11.2025
6.	सहारनपुर	स्टेशन अधीक्षक कार्यालय।	14.11.2025

बैंकों में जीवन प्रमाण–प्रत्र प्रस्तुत करने में पेंशनभोगियों/पारिवारिक पेंशनभोगियों की सहायता के लिए

सामान्य आवश्यतांएः–

- **आधार संख्याः** सुरक्षित पहचान सत्यापन के लिए वैध आधार संख्या अनिवार्य है।
- **मोबाइल नंबरः** ओटीपी प्राप्त करने सहित विभिन्न प्रक्रियाओं के लिए मोबाइल नंबर होना आवश्यक है।
- **पेंशन का विवरणः** पेंशनभोगियों को अपने पेंशन विवरण बैंक खाते की जानकारी और अनुमोदकर्ता प्राधिकारी का नाम (पीपीओ से प्रतिलिपि) तैयार रखना चाहिए।
- **पासपोर्ट साइज फोटोः** प्रस्तुत करने की विधि के आधार पर एक रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो होना अपेक्षित हैं।
- **बैंक खाता विवरणः** अपना बैंक खाते की पासबुक जिसमें आईएफएससी कोड दर्शाया गया हो की प्रतिलिपि होना अपेक्षित है।

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें **www.nr.indianrailways.gov.in** पर मिलें
3404/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

न्यू लैंग्वेज सीखने की रखते हैं चाहत तो फॉलो करें ये अमेजिंग टिप्स

किसी दूसरी भाषा को सीखना इतना आसान नहीं होता है। लेकिन प्रोफेशनल ग्रोथ के चलते कुछ लोगों दूसरी लैंग्वेज सीते हैं, तो वहीं कुछ लोग अपनी पसंद से दूसरी लैंग्वेज सीखते हैं। ऐसे में अगर आप भी न्यू लैंग्वेज सीखना चाहते हैं तो यह टिप्स आपके बहुत काम आएंगे।

किसी दूसरी भाषा को सीखना इतना आसान नहीं होता है। लेकिन प्रोफेशनल ग्रोथ के चलते कुछ लोगों दूसरी लैंग्वेज सीते हैं, तो वहीं कुछ लोग अपनी पसंद से दूसरी लैंग्वेज सीखते हैं। ऐसे में अगर आपके साथ भी इन दोनों में से कोई स्थिति है और आप न्यू लैंग्वेज सीखना चाहते हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ कुछ आसान टिप्स शेयर करने जा रहे हैं। इन टिप्स को फॉलो कर आप आसानी से दूसरी लैंग्वेज सीख सकते हैं।

न्यू लैंग्वेज सीखने के आसान टिप्स

अगर आप भी न्यू लैंग्वेज सीखना चाहते हैं, तो सबसे पहले आपका टारगेट बिल्कुल क्लीयर होना चाहिए। आपको यह पता होना चाहिए कि आप दूसरी लैंग्वेज क्यों सीखना चाहते हैं। जैसे अगर बिजनेस को एक्सपेंड करना चाहते हैं, तो आपको लोकल वेंडर से कम्युनिकेट करना होगा। इसके अलावा अगर आपको संबंधित लैंग्वेज के साहित्य में इंट्रेस्ट है, जिस कारण आप न्यू लैंग्वेज सीखना चाहते हैं। इसलिए न्यू लैंग्वेज सीखने से पहले आपका उद्देश्य क्लियर होना चाहिए। जब आपका उद्देश्य क्लियर होता है, तो फिर आप न्यू लैंग्वेज सीखने की कोशिश करें। आप जो लैंग्वेज सीखना चाहते हैं, उस भाषा से रिलेडेट ड्रामा, सॉन्ग, मूवी और बुक्स पढ़ सकते हैं। किसी भी न्यू लैंग्वेज को सीखने के लिए यह सबसे असरदार टिप्स होते हैं। आप नई भाषा सीखने के लिए अपने चारों ओर वैसा ही माहौल बना लें। इससे आप न्यू लैंग्वेज जल्द से जल्द सीख सकेंगे। नई भाषा सीखने के लिए आप क्लासेस भी ज्वॉइन कर सकते हैं। क्लासेस करने के लिए आप अच्छे से रिसर्च करने के बाद ऑनलाइन व ऑफलाइन का ऑप्शन चुनें। इसके लिए आप एप की मदद भी ले सकते हैं। किसी भी भाषा को सीखने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी होता है कि आप इसे बोलने की ज्यादा से ज्यादा प्रैक्टिस करें। इसलिए प्रयास करें कि आप जो भी भाषा सीख रहे हैं। उससे संबंधित पार्टनर ढूंढकर उससे बातचीत करें।

न्यू लैंग्वेज सीखने के लिए आपकी वोकेब और ग्रामर अच्छी हो। नए शब्दों को जानने के लिए ज्यादा से ज्यादा उस लैंग्वेज की किताबों को पढ़ें। इससे आपकी न्यू लैंग्वेज को सीखने में काफी मदद मिलेगी।

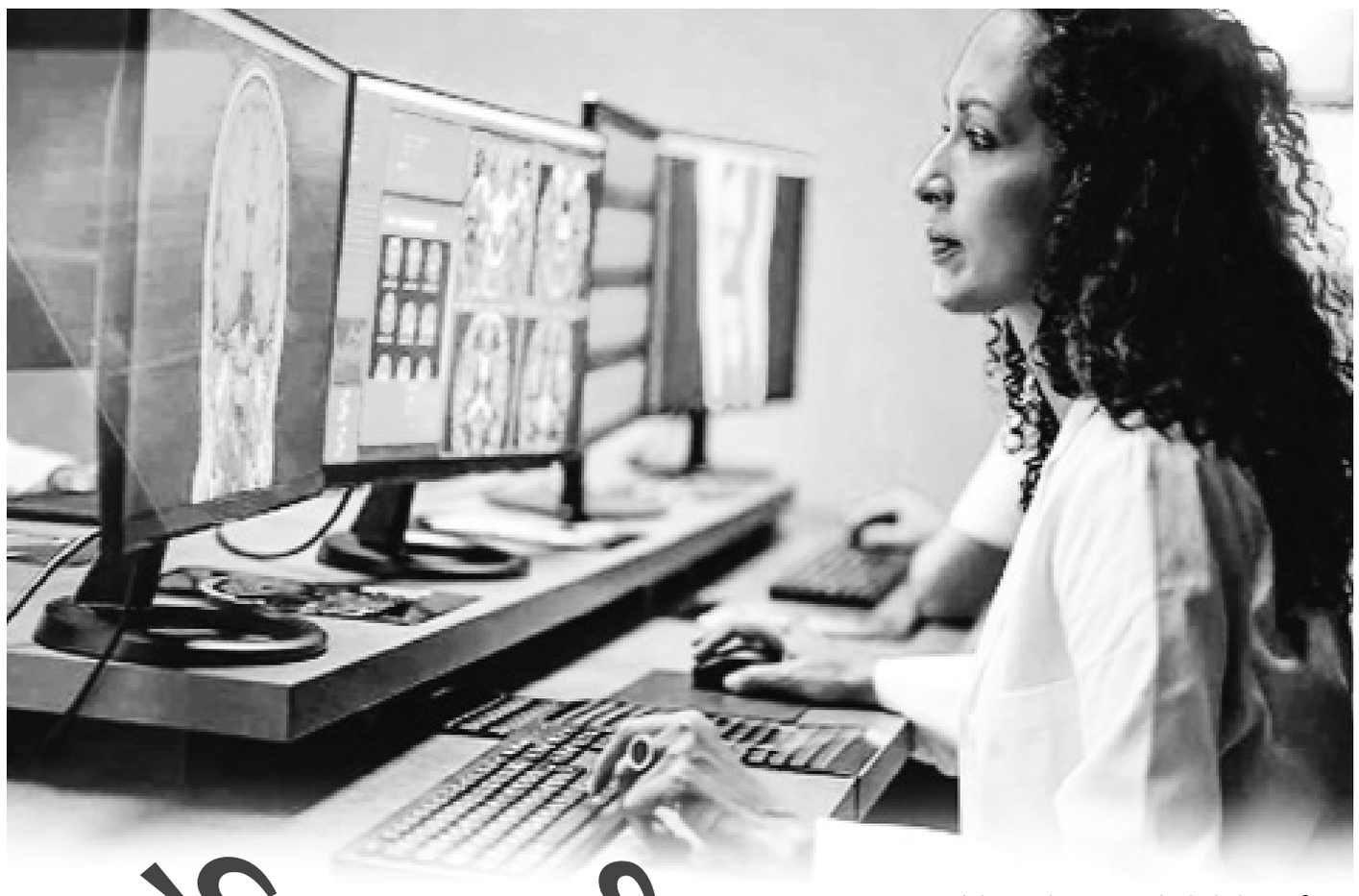

मेडिकल फील्ड में आकर्षक कोर्स है रेडियोलॉजी

मेडिकल फील्ड में जाने के इच्छुक छात्र रेडियोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। मेडिकल की फील्ड में यह एक आकर्षक कोर्स है। इस फील्ड में भविष्य में काफी ज्यादा ग्रोथ है। 12वीं करने के बाद आप यूजी कोर्सेज के लिए भी अप्लाई कर सकते हैं।

मेडिकल फील्ड में जाने के इच्छुक छात्र रेडियोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। मेडिकल की फील्ड में यह एक आकर्षक कोर्स है। इसमें रेडियोग्राफर एक्सरे की मदद से मरीज की रेडियोग्राफी रिपोर्ट तैयार की जाती है। इससे मरीज की बीमारी का सटीक पता लगाया जाता है। बता दें कि एक रेडियोग्राफर रेडियोग्राफी रिपोर्ट तैयार करने के लिए एक्स-रे के अलावा सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड और एमआरआई की भी स्टडी करता है। ऐसे में अगर आप भी इस फील्ड में अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस फील्ड के बारे में सारी जानकारी देने जा रहे हैं।

रेडियोलॉजी का क्षेत्र

आपको बता दें कि रेडियोलॉजी को दो भागों में बांटा जाता है। एक का नाम डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी और दूसरे का नाम इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी है। डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी में एक्सरे और अन्य इमेजिंग तकनीक की सहायता से बीमारी और चोट का पता लगाया जाता है। तो वहीं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी में हेल्थ एक्सपर्ट इमेजिंग की व्याख्या कर कुछ हद तक सर्जिकल प्रोसीजर के काम को भी करता है।

संभावना

रेडियोलॉजी टेक्नॉलजिस्ट को कोर्स कर आप अपने कॅरियर को नई उड़ान दे सकते हैं। इस फील्ड में भविष्य में काफी ग्रोथ है। अस्पतालों, क्लिनिकों और फिजिशियनों के ऑफिस में ट्रेंड व पेशेवर रेडियोलॉजी की मांग बढ़ती जा रही है। इस फील्ड में संबंधित कोर्स पूरा करने के बाद आप रेडियोलॉजी टेक्निशियन, अल्ट्रासाउंड टेक्निशियन/ डायग्नोस्टिक मेडिकल सोनोग्राफर, रेडियोलॉजिस्ट, रेडियोलॉजी टेक्नॉलजिस्ट/ रेडियोग्राफर, एमआरआई टेक्निशियन, सीटी टेक/सीएटी स्कैन टेक्नॉलजिस्ट/ सीटी स्कैन टेक्नॉलजिस्ट बन सकते हैं।

कोर्स

इस फील्ड में बैचलर कोर्स, मास्टर कोर्स, डिप्लोमा कोर्स और सर्टिफिकेशन कोर्स का आप्शन मौजूद है। 12वीं करने के बाद आप यूजी कोर्सेज के लिए भी अप्लाई कर सकते हैं।

सर्टिफिकेट कोर्स

- सर्टिफिकेट इन रेडियोग्राफी डायग्नोस्टिक
- सर्टिफिकेट इन रेडियोलॉजी असिस्टेंट
- सर्टिफिकेट इन रेडियोग्राफी

डिप्लोमा कोर्सेज

- डिप्लोमा इन रेडियोग्राफी एंड रेडियोथेरापी
- डिप्लोमा इन रेडियो-डायगनोस्टिक टेक्नॉलजी

बैचलर कोर्स

- रेडियोग्राफी में बीएससी
- मेडिकल रेडियोथेरापी टेक्नॉलजी में बीएससी (ऑनर्स)

मास्टर कोर्स

- एक्स-रे रेडियोग्राफी और अल्ट्रा सोनोग्राफी में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा
- रेडियो डायग्नोसिस और इमेजिंग साइंसेज में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा
- रेडियोथेरापी टेक्नॉलजी में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा

कैसे बनें रेडियोलॉजिस्ट

बैचलर डिग्री पूरी करने के साथ रेडियोलॉजिस्ट का कॅरियर शुरू होता है। मेडिकल कॉलेज में ग्रेजुएशन का कोर्स करने के बाद आपको एमओ या डीओ में डिग्री दी जाती है। इसके बाद आप मेडिकल लाइसेंस के रूप में भी आवेदन कर सकते हैं। इस दौरान आप बतौर फिजिशियन भी प्रैक्टिस कर सकते हैं। इस फील्ड में कॅरियर बनाने के लिए फिजिशियन को चार साल का रेडियोलॉजी रेजिडेंसी कोर्स पूरा करना पड़ता है।

रेडियोलॉजिस्ट के लिए स्टेट लाइसेंस भी काफी अहम होता है। इसमें आपको दो भाग में परीक्षा देनी होती है, उस एग्जाम को पास करने के बाद आपको लाइसेंस दिया जाता है। इस कोर्स में दो एग्जाम में शरीर की रचना, मेडिसिन, इमेजिंग से संबंधित तकनीक और फिजिक्स आदि को कवर किया जाता है।

जॉब प्रोफाइल

- अल्ट्रासाउंड टेक्निशियन/डायग्नोस्टिक मेडिकल सोनोग्राफर
- सीटी टेक/ सीएटी स्कैन टेक्नॉलजिस्ट/सीटी स्कैन टेक्नॉलजिस्ट
- अल्ट्रासाउंड टेक्निशियन/डायग्नोस्टिक मेडिकल सोनोग्राफर
- रेडियोलॉजी टेक्नॉलजिस्ट/रेडियोग्राफर
- एमआरआई टेक्निशियन
- रेडियोलॉजी टेक्निशियन
- रेडियोलॉजी असिस्टेंट
- रेडियोलॉजी नर्स
- रेडियोलॉजिस्ट

इस फील्ड में आपके सामने कई ऑप्शन होते हैं। इन कोर्सेज को करने के बाद आप कई विभिन्न प्रोफाइल पर काम कर अपने कॅरियर को एक नई दिशा दे सकते हैं। आप बतौर रेडियोलॉजिस्ट प्राइवेट अस्पताल, सरकारी अस्पताल, पब्लिक हेल्थ सेंटर, नर्सिंग होम और डायग्नोस्टिक लैब में काम कर सकते हैं।

सैलरी

आपको बता दें कि जॉब प्रोफाइल के हिसाब से हर रेडियोलॉजिस्ट को सैलरी मिलती है। वहीं अनुभव के साथ सैलरी में इंक्रीमेंट होता रहता है। अगर ग्लोबल लेवल पर बात करें तो बतौर रेडियोलॉजिस्ट आप 70 हजार डॉलर तक भी सैलरी उठा सकते हैं। वहीं भारत में रेडियोलॉजिस्ट को 5 लाख से भी ज्यादा का सालाना पैकेज मिलता है।

रेडियोलॉजी कोर्स कराने वाले कॉलेज

- ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
- जवाहरलाल इंस्टिट्यूट ऑफ पोस्टग्रैजुएट मेडिकल एजुकेशन और रिसर्च, पुडुचेरी
- मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली
- आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कॉलेज, पुणे
- क्रिस्चन मेडिकल कॉलेज, वेल्लुरु
- लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, दिल्ली

कैट एग्जाम क्रैक करने के लिए अपनाएं ये रणनीति

देश के प्रतिष्ठित एमबीए इंस्टीट्यूट्स में एडमिशन लेने के लिए आयोजित होने वाली कैट एग्जाम्स में हर साल बड़ी संख्या में छात्र बैठते हैं। यह एमबीए कोर्स में एडमिशन पाने के लिए सबसे कठिन परीक्षा मानी जाती है। ऐसे में इस एग्जाम को क्रैक करने के लिए छात्रों को कड़ी मेहनत करनी होती है।

जल्दी करें शुरुआत

अगर आप भी पहली बार में इस एग्जाम को क्रैक करना चाहते हैं, तो जल्द ही तैयारी शुरू कर दें। क्योंकि तैयारी के लिए एक साल का समय कम से कम चाहिए होगा। इस दौरान आप अपना पूरा सिलेबस और टॉपिक भी अच्छे से कवर कर लेंगे। ऐसे में तैयारी का पहला स्टेप जल्दी तैयारी करना है और दूसरा स्टेप समय से टाइम टेबल तैयार करना है।

सिलेबस और टाइम टेबल

ऐसे में सिलेबस को पहले देख लें और उसके अनुसार अपना टाइम टेबल बनाकर तैयार करें। कौन से एरिया में आपको कितना समय लगता है और कौन सा एरिया आप आसानी से तैयार कर सकती हैं। इस हिसाब से आप अपनी पढ़ाई का पूरा टाइम टेबल सेट कर लें। साथ ही आपको यह भी पता होना चाहिए कि सिलेबस को कब तक खत्म करना है। कितने दिन प्रैक्टिस करनी है और कब रिवीजन होगा। ऐसे इन सारी चीजों का खाका पहले से तैयार कर लें।

स्टडी मैटीरियल

कैंडिडेट्स को सिलेबस देखने के बाद अपने लिए रिसर्च करें। सिलेबस चुनकर स्टडी मैटिरयल एकत्र करें। हांलाकि इसमें कंफ्यूजन ना हो और कंफ्यूजन होने पर किसी सीनियर या फिर अपने किसी टीचर से उस कंफ्यूजन को दूर करें। बहुत सारा सिलेबस देखकर आप परेशान हो सकते हैं, इसलिए सिर्फ कुछ चुनिंदा नोट्स, टेस्ट पेपर और किताबें आदि रखें और उन्हीं से तैयारी करें।

प्रैक्टिस है जरूरी

कैट एग्जाम को क्रैक करने के लिए सबसे जरूरी स्टेप तैयारी के साथ-साथ प्रैक्टिस टेस्ट सॉल्व करते रहना चाहिए। इस तरह से आप जान पाएंगे कि आपने कितनी तैयारी कर ली है। पिछले सालों के क्वेश्चन पेपर से भी तैयारी करें। इसके अलावा डिस्प्लिन, प्लानिंग, सही स्टडी मैटीरियल, टाइम-टेबल और प्रैक्टिस का खास ध्यान रखें। इस स्टेप्स को फॉलो कर आप कैट एग्जाम में सफलता पा सकते हैं।

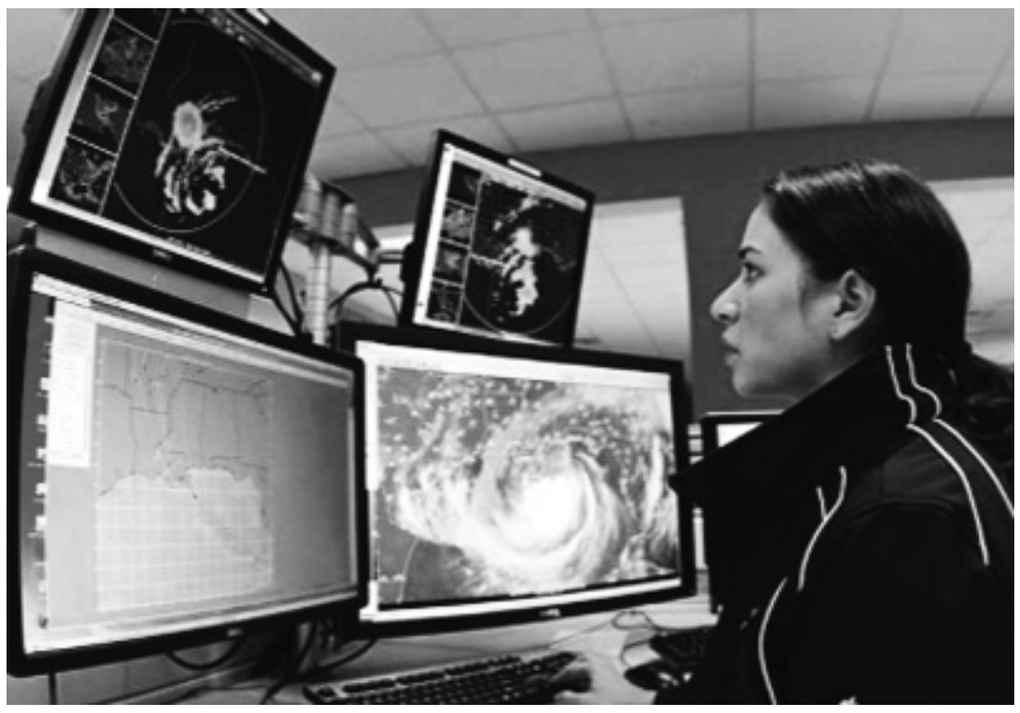

मौसम विभाग में बनाएं अपना कॅरियर

वायुमण्डल के वैज्ञानिक अध्ययन को मौसम विज्ञान कहा जाता है। हवा, आंधी-तूफान, धुंध-कोहरे और बिजली में दिलचस्पी दिखाने वाले छात्र इस फील्ड में अपना कॅरियर बना सकते हैं। मीटिअरोलॉजी में आपको कॅरियर के बेहतरीन अवसर मिलेंगे।

दुनिया में हर दिन बदलते मौसम को लेकर सभी देश चिंतित हैं। क्योंकि प्राकृतिक घटनाओं पर हमारा नियंत्रण नहीं है। हालांकि मौसम वैज्ञानिक आने वाले प्राकृतिक खतरे को भांप लेते हैं। मौसम वैज्ञानिक के पूर्वानुमान से लोगों की जिंदगी को बचाया जा सकता है, या फिर इस परेशानी को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। ऐसे में अगर आप स्टूडेंट है तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप मौसम वैज्ञानिक कैसे बन सकते हैं और इसमें कितने प्रकार का कोर्स होता है।

क्या है मौसम विज्ञान

मौसम या वातावरण के वैज्ञानिक अध्ययन को मौसम विज्ञान कहा जाता है। यह मौसम की क्रिया-प्रतिक्रिया, पूर्वानुमान पर आधारित होता है। इसके तहत कई विषयों पर शोध व अध्ययन किया जाता है।

एग्रीकल्चर मीटियोरोलॉजी

फसलों की पैदावार और उससे होने वाले फायदे व नुकसान का आंकलन मौसम के अनुरूप दी जाती है। मौसम के हिसाब से गाइडलाइन जारी की जाती है। जिसमें मिट्टी प्रबंधन के लिए उपयोगी समय और फसलों की पैदावार का आंकलन किया जाता है।

सैटेलाइट मेटियोरोलॉजी

सैटेलाइट मेटियोरोलॉजी में सैटेलाइट के माध्यम रिमोट सेंसिंग उपकरणों से आने वाले डाटा के आधार पर महासागर और वायुमंडल का अध्ययन किया जाता है।

फिजिकल मेटियोरोलॉजी

इसमें मौसम के इलेक्ट्रिकल, ध्वनिक, ऑप्टिकल और थर्मोडायनामिक घटनाओं का अध्ययन किया जाता है।

डाइनामिक मेटियोरोलॉजी

इस विषय में पृथ्वी और उसके आसपास वायु की गति का अध्ययन होता है। इसके साथ ही बादल, बारिश, तापमान और हवा के पैटर्न पर भी अध्ययन होता है। जो मनुष्य को प्रभावित करती है।

सिनॉप्टिक मेटियोरोलॉजी

इस विषय में मौसम संबंधी बाधाओं जैसे ट्रापिकल साइक्लोन, एंटी साइक्लोन और फ्रंटल डिप्रेशन का बारीकी से अध्ययन किया जाता है। कम दबाव के क्षेत्र में वायु, चक्रवात, क्षेत्र, जल और दबाव स्तर से एकत्र होने वाला मैप जो कि पूरी दुनिया के मौसम का सिनाप्टिक व्यू को बताता है।

क्लाइमेटोलॉजी

क्लाइमेटोलॉजी के जरिए जलवायु और उससे जुड़ी चीजों का अध्ययन किया जाता है। जलवायु के प्रभाव और उसके बदलवा पर भी शोध किया जाता है।

एविएशन मेटियोरोलॉजी

एविएशन मेटियोरोलॉजी पर एविएशन इंडस्ट्री के नजरिए से मौसम का शोध होता है। वहीं प्राप्त आंकड़े से पूर्वानुमान लगाया जाता है।

फिडे वर्ल्ड चेस

फिडे विश्व शतरंज कप ट्रॉफी का नाम विश्वनाथ आनंद के नाम पर रखा गया

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रॉफी अनावरण समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और फिडे प्रमुख अर्कडी ड्वोर्कोविच शामिल हुए। फिडे विश्व शतरंज कप की नई ट्रॉफी का नाम शुक्रवार को यहां पांच बार के विश्व चैंपियन भारतीय दिग्गज के सम्मान में

विश्वनाथन आनंद ट्रॉफी रखा गया और एक रंगारंग उद्घाटन समारोह के दौरान इसका अनावरण किया गया। ट्रॉफी अनावरण समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और फिडे प्रमुख अर्कडी ड्वोर्कोविच शामिल हुए। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग ने कहा, ''शतरंज के बादशाह और भारत के पहले ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद के सम्मान में स्थापित फिडे विश्व कप (ओपन) विजेता रनिंग ट्रॉफी विश्वनाथन आनंद कप की घोषणा करते हुए मुझे बेहद गर्व और खुशी हो रही है।''

क्रिकेट के मैदान में फिर आमने-सामने होंगे भारत-पाकिस्तान

दोहा (कतर), एजेंसी। एशियन क्रिकेट काउंसिल के राइजिंग स्टार्स टी-20 टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच 16 नवंबर को मुकाबला होगा। टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को दो ग्रुप की घोषणा की। ग्रुप ए में अफगानिस्तान, बंगलादेश, हांगकांग और श्रीलंका हैं, जबकि ग्रुप बी में भारत,

ओमान, पाकिस्तान और यूएई हैं। 14 नवंबर से पाकिस्तान और ओमान मैच से इस टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। भारत और पाकिस्तान के बीच 16 नवंबर को मैच खेला जायेगा। यह सितंबर में हुए सीनियर एशिया कप के बाद भारत और पाकिस्तान की पुरुष टीमों के बीच पहला क्रिकेट मैच होगा। यह टूर्नामेंट 14 नवंबर से 23 नवंबर तक चलेगा। इस दौरान 14 से 19 नवंबर तक प्रत्येक दिन दो मुकाबले होंगे। इसके बाद 21 नवंबर को सेमीफाइनल तथा 23 नवंबर को खिताबी भिड़ंत होगी।

बैडमिंटन

उन्नति सेमीफाइनल में, लक्ष्य-जॉर्ज और आयुष का हाइलो ओपन में अभियान समाप्त

सारब्रकेन (जर्मनी), एजेंसी। विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर काबिज उन्नति ने चौथी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे की सियांग टी लिन को 47 मिनट में 22-20, 21-13 से हराकर उलटफेर किया जिससे भारतीय शटलर ने इस साल मई में मलेशिया

मास्टर्स में इसी प्रतिद्वंद्वी से मिली हार का बदला ले लिया। भारतीय शटलरों के लिए शुक्रवार को हाइलो ओपन में दिन मिला-जुला रहा जिसमें उभरती हुई स्टार उन्नति हुड्डा सेमीफाइनल में पहुंच गईं लेकिन लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और किरण जॉर्ज तीनों का अभियान पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में हार के साथ समाप्त हुआ। विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर काबिज उन्नति ने चौथी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे की सियांग टी लिन को 47 मिनट में 22-20, 21-13 से हराकर उलटफेर किया जिससे भारतीय शटलर ने इस साल मई में मलेशिया मास्टर्स में इसी प्रतिद्वंद्वी से मिली हार का बदला ले लिया।

दबंग दिल्ली बनी चैंपियन

प्रो कबड्डी लीगः फाइनल में पुणेरी पल्टन को 31-28 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 का फाइनल मुकाबला दिल्ली के त्यागराज इंडोर स्टेडियम में दबंग दिल्ली और पुणेरी पल्टन के बीच खेला गया। बेहद रोमांचक रहे इस फाइनल मुकाबले में दबंग दिल्ली ने पुणेरी पल्टन को 31-28 से हराकर खिताब पर अपना कब्जा जमाया। खिताब जीत के साथ ही दबंग दिल्ली पटना पाइरेट्स और जयपुर पिंक पैंथर्स के क्लब में शामिल हो गई है। पटना और जयपुर कई बार चैंपियन रह चुकी हैं। दबंग दिल्ली का यह दूसरा पीकेएल खिताब है। दबंग दिल्ली के कोच जगिंदर नरवाल ने मनप्रीत सिंह के बाद कोच और कप्तान दोनों की भूमिका निभाते हुए पीकेएल ट्रॉफी जीतने वाले दूसरे व्यक्ति बने। मुकाबले की शुरुआत में पुणेरी पल्टन ने असलम इनामदार की मदद से पहला अंक हासिल किया।

रेडर आशु मलिक और नीरज नरवाल के प्रयासों की बदौलत दबंग दिल्ली ने जल्द पुणेरी पर 6-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद पुणेरी पल्टन ने सुपर टैकल की बदौलत दमदार वापसी की और पहले क्वार्टर में स्कोर 8-6 हो गया। दबंग दिल्ली ने पंद्रहवें मिनट में पल्टन को मैच का पहला ऑल-आउट देकर अपनी बढ़त 14-8 कर ली। पुणेरी ने दूसरे क्वार्टर में फिर प्रभावशाली वापसी की। पंकज मोहिते और आदित्य शिंदे की बदौलत पुनेरी ने अंतर कम करने की कोशिश की, लेकिन अजित और नीरज की अगुवाई में पहले हाफ का अंत दिल्ली ने 20-14 की बढ़त पर किया।

दूसरे हाफ में दिल्ली ने मजबूत रक्षापंक्ति का प्रदर्शन करते हुए अपनी बढ़त बरकरार रखी। वहीं पुणे ने कुछ रक्षात्मक चालें चलीं, लेकिन दिल्ली ने अपनी रणनीतियों की बदौलत तीसरे क्वार्टर का अंत 24-18 की बढ़त के साथ किया। चौथे और अंतिम क्वार्टर में, दबंग दिल्ली ने अपनी बढ़त बरकरार रखी। पुणेरी पल्टन ने 37वें मिनट में दबंग दिल्ली को पहली बार ऑल-

आउट करने पर मजबूर करके अंतर को तीन अंकों तक कम कर दिया।

आदित्य शिंदे के शानदार प्रयासों के बावजूद, दबंग दिल्ली ने फजल अत्राचली के आखिरी मिनट में किए गए अहम टैकल की बदौलत पुणेरी पल्टन को तीन अंकों के मामूली अंतर से हराकर अपना दूसरा खिताब जीता। पीकेएल का ये 12वां सीजन था, पूर्व में दिल्ली 8वें सीजन में चैंपियन रही थी।

महिला विश्व कप फाईनल

भारत- साउथ अफ्रीका आमने-सामने

खिताबी जंग आज

कौन बनेगा मालामाल? देखें टूर्नामेंट में किसे मिलेगी कितनी प्राइज मनी

महिला वर्ल्ड कप 2025 अब अपने आखिरी स्टेज पर पहुंच गया है। फाइनल मुकाबला रविवार 2 नवंबर को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। इस मुकाबले के बाद दुनिया को महिला क्रिकेट में एक नया चैंपियन मिलने वाला है। इस बार महिला विश्व कप की विजेता टीम अत्यधिक मालामाल होने वाली है। क्योंकि पिछले संस्करण के मुकाबले इस बार इनामी राशि 297 प्रतिशत बढ़ गई है।

मुंबई। आपको बता दें कि पिछले संस्करण में प्राइज मनी 1.32 मिलियन अमेरिकी डॉलर (11.65 करोड़ रुपये) थी। मगर इस बार इसमें भारी उछाल आ गया है। इस बार उपविजेता टीम को भी इससे कहीं ज्यादा रकम मिलने वाली है। वहीं विजेता टीम मालामाल हो जाएगी। जय शाह की अध्यक्षता में आईसीसी ने इस प्राइज मनी का सितंबर 2025 में ऐलान किया था।

पुरुष विश्व कप से भी आगे महिला वर्ल्ड कप 2025

महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप 2023 की पुरस्कार राशि से भी काफी ज्यादा है। पुरुष विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि 10 मिलियन डॉलर (लगभग 88.26 करोड़ रुपये) थी। जबकि मौजूदा महिला वर्ल्ड कप की कुल पुरस्कार राशि 122 करोड़ से भी ज्यादा की है। यानी इस बार टूर्नामेंट में 122 करोड़ से ज्यादा की रकम दांव पर है।

महिला वर्ल्ड कप 2025
किसे मिलेगी कितनी रकम?

- विजेता टीमः 4.48 मिलियन यूएस डॉलर्स (39.77 करोड़ रुपए)
- उप विजेता टीमः 2.24 मिलियन यूएस डॉलर्स (19.88 करोड़ रुपए)
- सेमीफाइनल में हारने वाली टीमेंः 1.12 मिलियन यूएस डॉलर्स (9.94 करोड़ रुपए)
- 5वें और छठे स्थान की टीमेंः 7 लाख यूएस डॉलर्स प्रत्येक टीम (6.17 करोड़ रुपए)
- **7वें और 8वें स्थान की टीमें:** 2.80 लाख यूएस डॉलर्स प्रत्येक टीम (2.5 करोड़ रुपए)
- **हर टीम के लिए:** 2.5 लाख यूएस डॉलर्स (सभी टीमों को अलग से) (2.20 करोड़ रुपए)

टी20 सीरीजः

वेस्टइंडीज की लगातार तीसरी जीत, बांग्लादेश का घर में सूपड़ा साफ

चटगांव, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज जीत ली है। मेजबान बांग्लादेश को शुक्रवार को चटगांव में खेले गए तीसरे टी20 में वेस्टइंडीज ने 5 विकेट से हराकर 3 मैचों की सीरीज 0-3 से अपने नाम की। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। सलामी बल्लेबाज तंजीद हसन को छोड़कर बांग्लादेश का कोई भी बल्लेबाज वेस्टइंडीज के गेंदबाजों का सामना नहीं कर सका। तंजीद ने 62 गेंद पर 4 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 89 रन बनाए। वह आठवें विकेट के रूप में 20वें

ओवर की पहली गेंद पर आउट हुए। दूसरे श्रेष्ठ स्कोरर सैफ हसन रहे। सैफ ने 22 गेंद पर 23 रन बनाए। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सका। पूरी टीम 20 ओवर में 151 पर सिमट गई। वेस्टइंडीज के लिए रोमारियो शेफर्ड ने 3, जेसन होल्डर और खेरी पियरे ने 2-2 और अकील होसेन और रोस्टन चेज ने 1-1 विकेट लिए। इस मैच में वेस्टइंडीज की कप्तानी शाई होप की जगह रोस्टन चेज ही कर रहे थे।

खत्म हो सकता है इंतजार

एक-दो दिन में भारत पहुंच सकती है एशिया कप ट्रॉफी

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड को उम्मीद है कि एशिया कप विजेता ट्रॉफी 'एक या दो दिन में' मुंबई स्थित उसके मुख्यालय पहुंच जाएगी लेकिन अगर हालात में कोई प्रगति नहीं होती है तो भारतीय बोर्ड चार नवंबर को इस मामले को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषदके समक्ष उठाएगा। भारत ने दुबई में हुए फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर एशिया कप जीता लेकिन पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। वह एशियाई क्रिकेट परिषद और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं। यह तब हुआ जब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दोनों देशों के बीच विवाद के कारण अपने पाकिस्तानी समकक्ष से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। नकवी पहले ही बता चुके हैं कि ट्रॉफी भारत को सौंपी जा सकती है लेकिन इसे वह स्वयं प्रदान करेंगे। एशिया कप जीत के एक महीने से ज्यादा समय बाद भी बीसीसीआई अब भी आधिकारिक तौर पर ट्रॉफी सौंपे जाने का इंतजार कर रहा है। बीसीसीआई के संयुक्त सचिव देवजीत सैकिया ने विशेष बातचीत में कहा, 'जिस तरह से एक महीने बाद भी हमें ट्रॉफी नहीं दी गई है, उससे हम थोड़े नाखुश हैं। हम इस मामले को आगे बढ़ा रहे हैं। लगभग 10 दिन पहले भी हमने बीसीसीआई के अध्यक्ष को एक पत्र लिखा था लेकिन उनके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है।' उन्होंने कहा, 'अब भी ट्रॉफी उनके पास है, लेकिन हमें उम्मीद है कि एक-दो दिन में यह ट्रॉफी मुंबई स्थित बीसीसीआई कार्यालय में हमारे पास पहुंच जाएगी।' सैकिया ने कहा कि अगर ट्रॉफी जल्द ही नहीं सौंपी गई तो बीसीसीआई चार नवंबर से दुबई में होने वाली बीसीसीआई की तिमाही बैठक में इस मुद्दे को उठाएगा। बीसीसीआई ने आधिकारिक तौर पर ट्रॉफी वापस करने का अनुरोध किया है लेकिन नकवी कथित तौर पर अपने रुख पर अड़े हुए हैं और सुझाव दे रहे हैं कि

भारतीय खिलाड़ी भविष्य में किसी कार्यक्रम में इसे व्यक्तिगत रूप से ले लें क्योंकि अभी तक कोई औपचारिक समाधान नहीं हुआ है। आईसीसी

अश्विन का फूटा गुस्सा, इस खिलाड़ी को टीम से बाहर रखने पर उठाए सवाल

मेलबर्न, एजेंसी। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में मिचेल मार्श की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को 4 विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। लेकिन इस मुकाबले के बाद टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन को लेकर एक बड़ा सवाल उठ खड़ा हुआ है- अर्शदीप सिंह को आखिर क्यों बाहर रखा गया? भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने सूर्यकुमार यादव और हेड कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि अर्शदीप जैसे गेंदबाज को लगातार बेंच पर बैठाना समझ से परे है।

अश्विन ने जताई नाराजगी

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'अगर बुमराह टीम में हैं, तो उनके बाद आपके दूसरे तेज गेंदबाज के रूप में अर्शदीप सिंह का नाम सबसे पहले होना चाहिए।
और अगर बुमराह नहीं खेल रहे, तो अर्शदीप को पहला विकल्प होना चाहिए। मुझे समझ नहीं आता कि अर्शदीप को बार-बार इस टीम से कैसे बाहर रखा जा रहा है।' टीम प्रबंधन, जिसकी अगुवाई गौतम गंभीर कर रहे हैं, बल्लेबाज़ी में गहराई को तरजीह देता आ रहा है। लेकिन इसका असर गेंदबाज़ी विभाग पर पड़ रहा है — और इसी कारण अर्शदीप, जो भारत के सबसे सफल टी20 गेंदबाज़ों में से एक हैं, लगातार बेंच पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। अर्शदीप के नाम अब तक 65 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 101 विकेट हैं, औसत 18.76 के साथ। अश्विन के मुताबिक, इस रिकॉर्ड के बाद भी उन्हें नजरअंदाज करना गलत रणनीति है।

हर्षित राणा पर भी बोले अश्विन- अश्विन ने कहा, 'हर्षित ने ठीक-ठाक बल्लेबाज़ी की, लेकिन बात यहां उनकी नहीं, अर्शदीप की है। 2024 टी20 वर्ल्ड कप में अर्शदीप ने शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन उसके बाद उन्हें टीम से बाहर ही रखा जा रहा है। इतनी बार बेंच पर बैठने के कारण उनका रिदम भी थोड़ा खो गया है।

बाबर टी-20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनें

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टी-20 इंटरनेशनल में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराया। पहले टी-20 मैच में जीत दर्ज करने वाली साउथ अफ्रीकी टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 110 रन ही बना सकी। जवाब में पाकिस्तान ने 13.1 ओवर में एक विकेट खोकर 112 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। इसके साथ ही तीन टी-20 मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर हो गई है।

दलहन आत्मनिर्भरता मिशनः किसानों को सशक्त बनाने की दिशा में देश का बड़ा प्रयास

डॉ. देवेश चतुर्वेदी, सचिव और
श्री संजय कुमार अग्रवाल

संयुक्त सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार

दलहन, भारत की खाद्य और कृषि परंपराओं का एक अभिन्न अंग हैं, जो नागरिकों की पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ करोड़ों किसानों को आजीविका भी प्रदान करती हैं। दलहन, स्वास्थ्यप्रद होने के साथ-साथ प्रोटीन का भी एक प्रमुख स्रोत हैं।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने दिनांक 11 अक्टूबर, 2025 को वर्ष 2030-31 तक दलहन आत्मनिर्भरता में वृद्धि करने हेतु 11,440 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर, प्रधानमंत्री जी ने कहा, दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन का उद्देश्य न सिर्फ दाल उत्पादन में वृद्धि करना है, अपितु पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराकर भावी पीढ़ियों को सशक्त बनाना भी है।

मिशन का उद्देश्य, उच्च उपज वाले बीजों और किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करने के साथ-साथ दलहन की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए पोषण सुरक्षा प्राप्त करने पर केन्द्रित है।

दलहन उत्पादन की चुनौतियाँ – भारत में फसल वर्ष 2014-2016 के दौरान दलहन उत्पादन कम हुआ, इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, भारत सरकार ने उत्पादन बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इन निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप, दलहन उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यद्यपि घरेलू दलहन उत्पादन में लगातार वृद्धि हो रही है फिर भी दलहन की खपत आपूर्ति से अधिक बनी हुई है, जिसके फलस्वरूप समय-समय पर दालों के आयात की आवश्यकता पड़ती है। लंबे समय से आ रही आयात की चुनौतियों को दूर करने हेतु दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता आवश्यक है। अधिकांशतः वर्षा सिंचित दलहन फसलें अनियमित वर्षा और सूखा, दोनों ही स्थितियों से प्रभावित होती हैं। मौसम संबंधी अनिश्चितताओं के अलावा, कीटों और रोगों का खतरा तथा उन्नत बीजों की सीमित उपलब्धता के कारण कम उत्पादकता भी दलहन के उत्पादन को प्रभावित करती है। दलहन आत्मनिर्भरता मिशन में पाँच वर्षों की लक्षित अवधि के भीतर भारत की कृषि अर्थव्यवस्था को बदलने की अपार क्षमता है। इस मिशन का उद्देश्य उत्पादकता और उत्पादन में वृद्धि करके इन चुनौतियों का सामना करना है इसमें दलहन की खेती किसानों के लिए अधिक लाभदायक और विश्वशनीय बनेगी साथ ही साथ राष्ट्र के लिए एक स्थाई और प्रोटीन युक्त खाद्य स्रोत सुनिश्चित होगा।

दलहन में आत्मनिर्भरता हेतु रणनीति – दलहन आत्मनिर्भरता मिशन, बीज से लेकर बाजार तक, एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाते हुए इस अंतर को कम करने का प्रयास करता है, जिससे अंततः उत्पादन, उत्पादकता और किसानों की आय में वृद्धि होगी। यह मिशन, प्रभावी कार्यान्वयन और व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए किसान उत्पादक संगठनों और सहकारी समितियों की अधिक भागीदारी के साथ एक क्लस्टर-आधारित कार्यनीति का पालन करेगा। लक्षित उपायों के साथ क्षेत्र और उपज क्षमता के आधार पर फसल विशिष्ट क्लस्टर विकसित किये जाएंगे।

इस मिशन के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान पर सलाहकार समूह जैसे संस्थानों की मदद से अधिक उपज वाले, जलवायु-सहिष्णु और उच्च तापमान प्रतिरोधी बीज विकसित किए जाएंगे। यह मिशन, एक प्रभावी बीज श्रृंखला के माध्यम से अधिक उपज देने वाली किस्म के बीजों के उत्पादन और वितरण को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इससे गुणवत्तापूर्ण ब्रीडर, फाउंडेशन और प्रमाणित बीजों की किसानों तक पहुंच सुनिश्चित होगी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों, कृषि विज्ञान केंद्रों और राज्य कृषि विभागों द्वारा प्रदर्शन के माध्यम से किसानों को बेहतर कृषि पद्धतियों से अवगत कराया जाएगा। लक्षित चावल परती भूमि में संभावित विस्तार, फसल विविधीकरण और अंतर-फसली के जरिए दलहन की खेती के अंतर्गत क्षेत्र विस्तार में सहायता मिलेगी।

आत्मनिर्भर दलहन की दिशा में सशक्त पहल – फसलोपरांत नुकसान को कम करने और किसानों को बेहतर मूल्य उपलब्ध कराने में सहायता हेतु देशभर में 1000 प्रसंस्करण इकाइयाँ स्थापित की जाएँगी। आगामी चार वर्षों तक सभी पंजीकृत और इच्छुक किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर तुअर, उड़द और मसूर की खरीद की सुविधा सुनिश्चित की जाएगी। आशा है कि इन प्रयासों से किसानों में विश्वास बढ़ेगा, कीमतों में स्थिरता आएगी और सतत आय सुनिश्चित होगी। ऐसे सकारात्मक प्रयास, अधिक से अधिक किसानों को दलहन की खेती करने तथा क्षेत्र विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित कर, दलहन की खेती में महत्वपूर्ण परिवर्तन ला सकते हैं। यह मिशन अधिक उत्पादन और उचित मुनाफा सुनिश्चित कर, दलहन की खेती करने वाले किसानों में विश्वास जागृत करेगा और देश के प्रोटीन-आधार को सुदृढ़ बनाएगा। इस मिशन का लक्ष्य वर्ष 2030-31 तक, दलहन की खेती के क्षेत्रफल को वर्ष 2023-24 में 275 लाख हेक्टेयर के मुकाबले बढ़ाकर 310 लाख हेक्टेयर करना और उत्पादन को 242 लाख टन से बढ़ाकर 350 लाख टन करना तथा दलहन उत्पादकता के स्तर को 881 किग्रा/हेक्टेयर से बढ़ाकर 1130 किग्रा/हेक्टेयर करना है। इस मिशन से सीधे तौर पर लगभग 2 करोड़ किसानों को सीधे लाभान्वित होने की आशा है। उत्पादन लक्ष्यों से परे, इस मिशन में दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सतत और जलवायु-अनुकूल कृषि को अपनाने की परिकल्पना की गई है, जिससे जल संरक्षण होगा और नाइट्रोजन स्थिरीकरण के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य समृद्ध होगा तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होगी।

खेत-खलिहानों में हरियाली, भविष्य में खुशहाली – सरकार का लक्ष्य, इस मिशन को सूक्ष्म सिंचाई, मशीनीकरण, फसल बीमा और कृषि ऋण जैसी तत्कालीन योजनाओं से जोड़कर, दीर्घकालिक स्थिरता के लिए सहक्रिया और संयोजन को बनाना है। इसके अतिरिक्त, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और संपूर्ण दलहन मूल्य श्रृंखला को बढ़ाने में सहायता की जाएगी। यह मिशन, भारत के विज़न 2047 के अनुरूप है, जो खाद्य-सुरक्षा, सतत और आत्मनिर्भर कृषि क्षेत्र की परिकल्पना करता है। किसानों को बेहतर बीज, सुनिश्चित बाज़ार और आधुनिक तकनीक प्रदान कर, सरकार एक दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है, जो किसान और मिट्टी दोनों को महत्व देती है। जैसे-जैसे भारत दलहन में आत्मनिर्भरता के निकट पहुँच रहा है, यह मिशन खाद्य और पोषण सुरक्षा की दिशा में देश की यात्रा का एक महत्वपूर्ण बिंदु है। अंततः दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन फसलों में निवेश से कहीं अधिक है, यह आत्मविश्वास में निवेश हैः किसानों का आत्मविश्वास जो अब इस बात से भली-भांति परिचित हैं कि उनकी उपज का मूल्य और भविष्य दोनों सुरक्षित हैं।

अक्टूबर माह 2025 में टिकट चेकिंग द्वारा जम्मू मंडल में लगभग 67 लाख रुपये का राजस्व किया अर्जित

जम्मू । उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल में मंडल रेल प्रबंधक श्री विवेक कुमार के मार्गदर्शन व वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री उचित सिंघल के नेतृत्व में मंडल के टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा सभी वास्तविक रेल उपयोगकर्ताओं को आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए टिकट रहित और अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए ट्रेनों व स्टेशनों पर निरंतर टिकट चेकिंग अभियान चलाए जाते हैं। इसी अभियान के तहत मंडल के चेकिंग स्टाफ व मुख्य टिकट निरीक्षकों द्वारा अक्टूबर माह 2025 में टिकट चेकिंग के दौरान कुल 11386 मामलों में बिना टिकट व अनियमित यात्रा करते हुए यात्रियों को

पकड़ा गया, जिसमें लगभग 67 लाख रुपये की राशि टिकट चेकिंग के दौरान जुर्माने के तौर पर वसूल की गई। मंडल में रेलवे अधिकारियों द्वारा ट्रेनों में यात्रियों के अनधिकृत प्रवेश को रोकने के लिए लगातार सरप्राइज टिकट चेकिंग अभियान भी चलाएं जाते हैं। जिसमें यात्रियों को वैद्य टिकट लेकर ट्रेन में सफर करने की सलाह दी जाती है। इसी टिकट चेकिंग अभियान के क्रम में जुडे तो अक्टूबर माह में त्योहारों के दौरान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, श्री उचित सिंघल के मार्गदर्शन में विशेष टिकट चेकिंग अभियान भी चलाया गया था। जिसमें दिनांक 26 अक्टूबर 2025 तक कुल दस दिन में कुल 2500 बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों को प्रभारित कर लगभग 32 लाख रुपये जुर्माना वसूल किया गया। जो कि साल 2025 में जम्मू मंडल बनने के बाद पहले त्योहारों के दौरान यात्री राजस्व आय में महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता हैं। मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, श्री उचित सिंघल ने बताया कि टिकट चेकिंग अभियान यह सुनिश्चित करता हैं। कि यात्री अपनी यात्रा के दौरान अपनी यात्रा को आरामदायक व सुरक्षित महसूस करें सकें तथा रेलवे के वित्तीय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता हैं। जिससे यात्री सुविधाओं के विकास में सहायता मिलती हैं। उन्होंने आगे कहा, कि टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा अक्टूबर माह में टिकट चेकिंग के दौरान उत्कृष्ट कार्य किया हैं।

मंडल रेल प्रबंधक जम्मू द्वारा जम्मू-कटडा रेल खंड का व्यापक संरक्षणात्मक निरीक्षण

जम्मू । मंडल रेल प्रबंधक जम्मू, श्री विवेक कुमार द्वारा जम्मू – कटडा रेल खंड का गहन निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान मंडल के अपर मंडल प्रबंधक श्री अक्षय कुमार मरन्टू, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री उचित सिंघल, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक श्री आरिश बंसल व मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य जम्मू –कटडा रेल खंड की परिचालन स्थिति का जायजा लेना और भविष्य की विकास परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण अवसंरचना का मुल्याकन करना था। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने लगभग 80 किलोमीटर जम्मू – कटडा रेल खंड पर रेलवे ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम, टनल, रेलवे पुलों के साथ अन्य बुनियादी ढांचे की गहनता से जांच की। इस रेल खंड में आने वाले स्टेशन बजालता , सांगर, मनवाल, शहीद कैप्टन तुषार महाजन आदि रेलवे स्टेशनों का गहन निरीक्षण किया। जिसमें इन स्टेशनों पर यात्री सुविधा को बेहतर बनाने व परिचालन सुधार पर अपनी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। साथ में यात्री सुविधाओं और सुरक्षा मानकों, जैसे प्लेटफार्म की स्थिति, उपरी पुलों की संरचनात्मक सुरक्षा और अग्रिम सुरक्षा प्रणालीयों का भी निरीक्षण किया गया। इसी निरीक्षण के दौरान रेल खंड मार्ग में रेल टनल तथा रेलवे ब्रिजों का निरिक्षण किया गया। जिससे की उनकी संरचनात्मक स्थिरता सुनिश्चित की जा सके तथा रेल पटरियों की स्थिति का भी जायजा लिया गया। ट्रेन संचालन में सिग्नलिंग और दुरसंचार अपनी अहम भूमिका निभाते हैं। जिसके परिणामस्वरूप सुरक्षित ट्रेन संचालन के लिए सिग्नलिंग इटरलाकिंग सिस्टम और दूर संचार उपकरणों की कार्यप्रणाली की विस्तृत निरीक्षण किया गया। मंडल रेल प्रबंधक, जम्मू द्वारा जम्मू–कटडा रेल खंड के निरिक्षण पर बताया, 卐 कि यात्रियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, यह व्यापक निरीक्षण अभियान हमारी संरचना की मजबूती और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए हमारे नियमित प्रक्रिया का एक हिस्सा है। उन्होंने आगे बताते हुए कहा, कि आगामी कठोर मौसम की स्थिति के दौरान रेल सेवाओं की सुरक्षित और विश्वसनीय संचालक को सुनिश्चित करने के लिए यह एक व्यापक जांच की गई है।

मोदी की गारंटी और नायब के संकल्पों से साकार हो रहा महिला सशक्तिकरण का सपना

● हरियाणा दिवस पर प्रदेश की महिलाओं को मिली बड़ी सौगात ● मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना में पात्र हर महिला लाभार्थियों को जारी की 2100 रुपये की राशि

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा दिवस के विशेष अवसर पर आज प्रदेश की महिलाओं को आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में एक और बड़ी सौगात मिली है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' के तहत पात्र 5,22,162 महिला लाभार्थियों को 2100- 2100 रुपये की राशि जारी की। इन महिलाओं को 109 करोड़ 65 लाख 40 हजार 200 रुपए का लाभ मिला। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की %गारंटी' और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के संकल्प% प्रदेश में परिवर्तन की नई गाथा लिख रहे हैं। इसी कड़ी में महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह पहल सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि डबल इंजन सरकार की स्पष्ट नीति और साफ नीयत की एक अनुपम झलक है। मुख्यमंत्री आज यहां हरियाणा दिवस के अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा और स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव भी उपस्थित रहे। इस मौके पर मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथियों ने दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 21 महिला लाभार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से चेक वितरित किए। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के 109 वें जन्मदिवस के अवसर पर 25 सितंबर को 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी' ऐप का शुभारंभ किया गया था। इस ऐप पर 31 अक्तूबर, 2025 की मध्यरात्रि तक कुल 6,97,697 महिलाओं ने सफलतापूर्वक आवेदन किया, जिनमें से 6,51,529 विवाहित तथा 46, 168 अविवाहित हैं। 30 अक्तूबर की मध्यरात्रि से 31 अक्तूबर की मध्यरात्रि तक की 24 घंटे की अवधि में ही लगभग 37,735 नए आवेदन प्राप्त हुए थे, जो इस योजना की लगातार बढ़ती लोकप्रियता और जन-स्वीकृति का स्पष्ट प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि इस योजना का लाभ 23 वर्ष या इससे अधिक आयु की वे सभी महिलाएं ले सकती हैं, जिनके परिवार की वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम है। इस योजना का विशेष पहलू यह है कि परिवार की सभी पात्र महिलाएं इस योजना का लाभ ले सकती हैं। इस योजना का लाभ पाने के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और ऑनलाइन है। आवेदन 'लाडो लक्ष्मी मोबाइल ऐप' के माध्यम से किसी भी स्थान से किसी भी समय सरलता से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आवेदन पूरा होते ही 24 से 48 घंटे के समय में सारी सत्यापन प्रक्रिया पूरी कर ली जाती हैं और पात्र पाई गई महिलाओं को एसएमएस द्वारा सूचित कर दिया जाता है। इस एसएमएस में उनसे निवेदन किया जाता है कि आप आवेदन के अंतिम चरण में इसी ऐप पर दोबारा जाकर अपना लाइव फोटो खींचकर अपलोड करें।

सीमा सुरक्षा बल पश्चिम कमान के महानिरीक्षक (मानव संसाधन एवं लॉजिस्टिक) हुए सेवानिवृत

चण्डीगढ़। श्री प्रमोद कुमार यादव, महानिरीक्षक (मानव संसाधन एवं लॉजिस्टिक) मुख्यालय विशेष महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल, पश्चिम कमान (चण्डीगढ) अपनी 38 वर्ष की सेवा पूर्ण करके दिनांक 31 अक्टूबर 2025 को सेवानिवृत हुए।इन्होंने अपने 38 वर्ष के सेवाकाल में देश के विभिन्न दुर्गम एवं अति दुर्गम इलाकों में प्रशंसनीय सेवा प्रदान की।

इन्होंने तीन बार विभिन्न विशिष्ट संस्थानों में प्रतिनियुक्त रहते हुए प्रभावशाली कार्य किया। इनकी ऑपरेशनल उपलब्धियों के चलते इन्हें दो बार %वीरता के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार% व %सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक% तथा महानिदेशक सीमा सुरक्षा बल द्वारा पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इसके साथ ही उप निरीक्षक जोगिन्दर सिंह भी आज ही के दिन अपनी 40 वर्ष की सराहनीय सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत हुए। इस उपलक्ष्य में सीमा सुरक्षा बल पश्चिम कमान मुख्यालय के कैम्पस में विदाई समारोह का आयोजन कर श्री हरबख्श सिंह ढिल्लों, महानिरीक्षक (ऑपरेशन) द्वारा महानिरीक्षक श्री प्रमोद कुमार यादव व उप निरीक्षक जोगिन्दर सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट कर पूरे पश्चिम कमान सीमा सुरक्षा बल की ओर से उनकी समर्पित सेवा हेतु हार्दिक धन्यवाद के साथ उनके स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की गयी।

म्हारे किसान, जवान और पहलवान समृद्ध एवं सशक्त भारत की पहचान है : पंडित मोहन लाल बड़ौली

मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सुशासन एवं जनकल्याण के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है : पंडित मोहन लाल बड़ौली

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा का 60वां स्थापना दिवस शनिवार को प्रदेश सरकार और भाजपा संगठन की ओर से पूरे उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ प्रदेश भर में मनाया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली भाजपा कार्यालय सोनीपत में आयोजित हरियाणा स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर कार्यालय में कलाकारों ने हरियाणवीं लोक कलाओं पर आधारित शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश की। प्रदेश अध्यक्ष ने लोक कलाकारों की जमकर प्रशंसा भी की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं और बधाई दी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि म्हारे किसान, जवान और पहलवान समृद्ध एवं सशक्त भारत की पहचान हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा आज सुशासन एवं जनकल्याण के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जनसुविधाओं का विस्तार हो रहा है तथा नायब सरकार विकसित हरियाणा बनाने में जुटी है।

मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि आज हम सब गौरवशाली राज्य हरियाणा के स्थापना दिवस को उत्सव मना रहे हैं। हरियाणा की यह वह धरती है जिसने देश को अनगिनत

वीर योद्धा, विश्व स्तरीय खिलाड़ी और मेहनतकश किसान और मजदूर दिए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा की पहचान शौर्य, परिश्रम और संस्कार है। यह प्रदेश न केवल खेतों में स्वर्ण उपजाता है, बल्कि देश के विकास में भी स्वर्णिम अध्याय लिखता है। श्री बड़ौली ने कहा कि भाजपा की सरकार ने हरियाणा को नई दिशा और नई ऊर्जा दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा निरंतर सुशासन, विकास और जनकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है।

सेना भर्ती कार्यालय चरखी दादरी द्वारा बीआरसीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग बहल में आयोजित किया जागरूकता व्याख्यान

भिवानी । सेना भर्ती कार्यालय चरखी दादरी द्वारा बीआरसीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग बहल में एक व्याख्यान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कर्नल के संदीप निर्देशक भर्ती और हवलदार क्लर्क जे के पांडे ने 11 हरियाणा एनसीसी बटालियन के प्रशिक्षण शिविर कैम्प बीआरसीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग बहल हरियाणा में कैडेट्स को जागरूकता सहप्रेरक व्याख्यान दिया। उन्होंने भारतीय सेना और अग्निपथ योजना में अवसरों के बारे में बताया गया। छात्रों के लिए प्रेरक वीडियो की स्क्रीनिंग, भारतीय सेना के विभिन्न पदों की जानकारी जिसमें भारतीय सेना और अग्निपथ योजना में अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। महिलाओं के लिए भारतीय सेना में महिला सेना पुलिस, अधिकारी और सैन्य नर्सिंग

सेवा के रूप में चयन के बारे में भी बताया गया। कर्नल के संदीप ने विभिन्न पदों की जानकारी देते हुए बताया कि आवेदक निम्नलिखित पदो के लिये आवेदन कर सकते हैं अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर कार्यालय सहायक व स्टोर कीपर, अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर ट्रेडमैन दसवीं पास व अग्निवीर ट्रैडमैन आठवीं पास। जिन उम्मीदवारों ने न्यूनतम शैक्षणिक व आयु सीमा की योग्यता पूरी कर रखी है वे इस योजना के तहत ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। भारतीय सेना में शामिल होने के लिए आईटीआई पाठ्यक्रम के लाभ के बारे में जोर दिया।

जलभराव से हुए नुकसान की भरपाई सरकार करेगी: कपूर सिंह वाल्मीकि

खेतों से जल्द पानी की निकासी के लिए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह द्वारा अधिकारियों को दिए जा चुके हैं आदेश

बवानीखेड़ा। विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने कहा कि जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए स्वयं मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह गंभीर हैं। खेतों से बरसाती पानी की निकासी जल्द से जल्द करवाने के लिए सिंचाई व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए जा चुके हैं। जलभराव से हुए नुकसान की सरकार भरपाई करेगी। इसके लिए क्षति पूर्ति पोर्टल भी खोला गया था, जिस पर लोगों द्वारा फसल व अन्य नुकसान दर्ज करवाया गया था। विधायक श्री वाल्मीकि शनिवार को कस्बा बवानीखेड़ा स्थित लोक निर्माण विश्राम गृह में कस्बा व आसपास क्षेत्र के गांवों के आए ग्रामीणों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने कहा कि क्षति पूर्ति पोर्टल पर लोगों द्वारा दर्ज करवाए गए नुकसान अधिकारिक तौर पर पड़ताल की जा रही है ताकि नुकसान से संबंधित कोई भी व्यक्ति सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता राशि से वंचित न रहे।

उन्होंने कहा कि पानी निकासी के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा पानी निकासी के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में जिला प्रशासन भी पूरी गंभीरता से लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि वे हर समय अपने हल्का वासियों के साथ खड़े हैं।

59वें हरियाणा दिवस पर भाजपा कार्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

कलाकारों व विद्यार्थियों ने हरियाणवी लोकनृत्य, रागनी, और गीतों की प्रस्तुतियों से मोहा दर्शकों का मन

भिवानी। हरियाणा के 59वें स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार को स्थानीय तोशाम बाईपास स्थित जिला भाजपा कार्यालय में सांस्कृतिक एवं हरियाणवी कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक की अध्यक्षता में हुआ, जिसका उद्देश्य प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और गौरवशाली इतिहास को रेखांकित करना था। कार्यक्रम में विभिन्न कलाकारों और विद्यार्थियों ने अपनी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से हरियाणा के गौरवमय इतिहास और हरियाणवी संस्कृति की महत्ता को जीवंत कर दिया। कलाकारों ने हरियाणवी लोकनृत्य, रागनी, और गीतों की प्रस्तुति दी, जिसने वहां मौजूद सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वही स्कूली बच्चों और युवाओं ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया और अपनी प्रस्तुतियों से यह संदेश दिया कि नई पीढ़ी भी अपनी जड़ों से जुड़ी हुई है। इन प्रस्तुतियों में हरियाणा की

मिट्टी की खुशबू, किसानों का संघर्ष, वीर योद्धाओं की गाथाएं और भाईचारे की भावना स्पष्ट रूप से झलक रही थी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला और हरियाणा के गौरवमयी इतिहास के बारे में विस्तार से बताया। कौशिक ने कहा कि हरियाणा की भूमि सदियों से वीरों और ज्ञानियों की भूमि रही है। महाभारत का युद्ध यहीं लड़ा गया, जिसने हमें धर्म और न्याय का पाठ पढ़ाया। यह वही धरती है जहां से जय जवान-जय किसान का नारा साकार होता है। हमारे जवान देश की सीमाओं पर रक्षा करते है और हमारे किसान देश का पेट भरते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणवी संस्कृति केवल पहनावे या बोली तक सीमित नहीं है। यह हमारे संस्कारों की पहचान है। ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन इसलिए आवश्यक है ताकि हमारी युवा पीढ़ी अपनी विरासत को समझे, उस पर गर्व करे और उसे आगे बढ़ाए।